आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,गुरुवार 04 जून 2026 ■ ज्येष्ठ अधिकमास कृष्ण पक्ष-04 ■ वर्ष -42 ■ अंक-067 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 05 जून 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

किसानों की आय बढ़ाने छत्तीसगढ़ में बासमती धान मिशन की तैयारी

रायपुर,4 जून। छत्तीसगढ़ में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र में विविधीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बासमती धान की खेती के विस्तार पर राज्य सरकार ने पहल शुरू कर दी है। कृषि विकास मंत्री राम विचार नेताम की अध्यक्षता में अटल नगर, नवा रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में इस विषय पर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, कृषि संचालक राहुल देव, अनुसंधान संचालक डॉ संजय त्रिपाठी, बीज निगम, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक तथा इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य के साथ बासमती धान की खेती को प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने अधिकारियों को इस दिशा में गंभीरता और तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। नेताम ने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और उनकी आमदनी बढ़ाने के लिए जो भी आवश्यक कदम होंगे, सरकार उन्हें प्राथमिकता के साथ लागू करेगी। सामान्य धान की खेती के फसल विविधिकरण तथा राज्य में बासमती का रकबा बढ़ाने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बासमती धान की खेती को बढ़ावा देने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि राज्य में धान की विभिन्न किस्मों का व्यापक उत्पादन होता है, लेकिन बासमती एवं अन्य सुगंधित चावलों की अंतरराष्ट्रीय और यूरोपीय बाजारों में विशेष मांग है तथा इनके बेहतर दाम प्राप्त होते हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जाएगी जहां की जलवायु और तापमान बासमती उत्पादन के लिए अनुकूल हैं। चयनित क्षेत्रों में बासमती धान का रकबा बढ़ाकर किसानों को अधिक लाभ दिलाने की योजना बनाई जाएगी। बैठक में इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन के पदाधिकारियों ने राज्य में बासमती धान के उत्पादन और रकबे में वृद्धि के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। फेडरेशन ने किसानों के लिए बायबैक व्यवस्था, विपणन सहयोग तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सुगंधित चावल के निर्यात को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई। बैठक में इस बात पर भी सहमति व्यक्त की गई कि उत्पादन से लेकर विपणन और निर्यात तक एक समन्वित व्यवस्था विकसित की जाएगी, जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सके और छत्तीसगढ़ सुगंधित चावल उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान बना सके।

अस्पताल के आईसीयू वार्ड में आग, 4 मरीजों की मौत

मुजफ्फरपुर,4 जून। दिल्ली के मालवीय नगर में होटल में आग की घटना के बाद अब बिहार के मुजफ्फरपुर से भीषण आगजनी की खबर सामने आयी है. आज सुबह-सुबह प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल के आईसीयू वॉर्ड में आग लग गयी. इस हादसे में 4 मरीजों की मौत हो गयी है. जबकि कई की हालत नाजुक बताई जा रही है.

जानकारी के अनुसार, घटना ब्रह्मपुरा में स्थित प्रसाद हॉस्पिटल की है. गुरुवार की सुबह 3.00 बजे हादसा हुआ है. आग अस्पताल के 5वीं मंजिल पर स्थित आईसीयू वार्ड में लगी थी. आईसीयू में 15 मरीज भर्ती थी. सभी का इलाज चल रहा था. इसी सुबह अचानक 3.00 बजे अचानक धमाके की आवाज और आग लग गयी.

महादेव एप मनी लॉन्ड्रिंग मामला

हाईकोर्ट ने दी फ्रीज शेयर बेचने की अनुमति

बिलासपुर,4 जून। हाईकोर्ट ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप और मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी कंपनियों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा फ्रीज किए गए करीब 423 करोड़ रुपए मूल्य के शेयरों और डीमैट खातों की वैल्यू सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। साथ ही कहा है कि शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहता है और यदि फ्रीज किए गए शेयरों की कीमत गिरती है तो इससे भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच ने अपने दिए गए फैसले में कंपनियों को यह छूट दी है कि वे फ्रीज किए गए शेयरों को बेचकर प्राप्त रकम को ईडी की निगरानी में सुरक्षित म्यूचुअल फंड या सरकारी सिक्योरिटीज में निवेश कर सकती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पूरी राशि ईडी के नियंत्रण में ही रहेगी और कंपनियां उसे निकाल नहीं सकेंगी। बता दें कि ईडी ने वर्ष 2022 में महादेव ऑनलाइन बुक सट्टा एप मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। जांच के दौरान एजेंसी को जानकारी मिली कि सट्टेबाजी से अर्जित कथित अवैध धन को कोलकाता के कारोबारी हरि शंकर टिबरेवाल और सूरज चोखानी के माध्यम से विभिन्न कंपनियों में निवेश किया गया। ईडी के मुताबिक इस रकम का इस्तेमाल शेयर बाजार में निवेश के लिए किया गया था। इसके बाद 28 फरवरी 2024 को ईडी ने कार्रवाई करते हुए आठ कंपनियों के डीमैट और ट्रेडिंग खाते फ्रीज कर दिए थे। इन खातों में मौजूद शेयरों की कुल वैल्यू 29 फरवरी 2024 की स्थिति में करीब 423.60 करोड़ रुपये आंकी गई थी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि पीएमएलए कानून के तहत संपत्ति को फ्रीज या अटैच करने का उद्देश्य उसे सुरक्षित रखना होता है। केवल कागजी तौर पर अधिकार बनाए रखना पर्याप्त नहीं है। यदि शेयर बाजार में गिरावट के कारण संपत्ति की कीमत कम हो जाती है तो फ्रीज करने का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा।

प्रेमी जोड़े के शव पेड़ पर लटके मिले

सरगुजा,4 जून। जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सरगवां गांव में गुरुवार सुबह एक प्रेमी जोड़े के शव पेड़ से लटके मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर एक पेड़ पर युवक और युवती के शव फंदे से लटके हुए देखे। इसके बाद परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही उदयपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे मौत के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। शुरुआती तौर पर इसे प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला माना जा रहा है, हालांकि आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह का खुलासा जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। उदयपुर थाना पुलिस के अनुसार मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और सभी संभावित कारणों की पड़ताल की जा रही है। घटना के बाद गांव में शोक और चर्चा का माहौल बना हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से पाकिस्तान की विदाई

नई दिल्ली,4 जून। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद चुनाव में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से पाकिस्तान की 'विदाई' तय हो गई है। जबकि किर्गिस्तान पहली बार UN सुरक्षा परिषद का का सदस्य बनेगा। वहीं, ऑस्ट्रिया, पुर्तगाल, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और जिम्बाब्वे भी गैर-स्थायी सदस्य चुने गए। इन सभी देशों का कार्यकाल दो साल का होगा। ये देश 1 जनवरी 2027 से अपनी सीट संभालेंगे और 31 दिसंबर 2028 तक परिषद में रहेंगे। बता दें कि पाकिस्तान का कार्यकाल इसी साल के आखिरी में खत्म हो रहा है। नए चुने गए सदस्य देश पाकिस्तान, पनामा, डेनमार्क, ग्रीस और सोमालिया की जगह लेंगे। इन सभी देशों का कार्यकाल इस वर्ष खत्म हो रहा है।सुरक्षा परिषद की गैर-स्थायी सीट जीतने के लिए किसी भी उम्मीदवार देश को संयुक्त राष्ट्र महासभा में मौजूद और मतदान करने वाले सदस्य देशों के कम से कम दो-तिहाई वोट हासिल करने होते हैं।

सोनिया गांधी-शशि थरूर पर ललित मोदी का सनसनीखेज खुलासा

नई दिल्ली,4 जून। भारत के भगोड़े आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने सोनिया गांधी और शशि थरूर पर सनसनीखेज खुलासा किया है। ललित मोदी ने ये खुलासा साल 2010 में आईपीएल की फ्रेंचाइजी कोच्चि टस्कर्स से जुड़े एक विवाद को लेकर किया है। ललित मोदी ने कहा कि 2010 के आईपीएल के कोच्चि घोटाले में फंसे शशि थरूर के बचाव में कांग्रेस की पूरी मशीनरी और तत्कालीन यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी उतर आई थीं। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ने ये दावा एक इंटरव्यू में किया है।

ललित मोदी ने कहा कि ये पूरा मामला रूर की दिवंगत पत्नी सुनंदा पुष्कर से जुड़े कथित धोखाधड़ी वाले इक्विटी ढांचे को लेकर कोच्चि कंसोर्टियम के प्रवेश को लेकर है। उन्होंने दावा किया कि जब वे कोच्चि कंसोर्टियम के प्रवेश को रोकने की कोशिश की तो तत्कालीन सत्तारूढ़ यूपीए सरकार के पूरे तंत्र ने उन्हें गिराने की साजिश रची थी।

इस विवाद की शुरुआत तब हुई थी, जब उन्होंने कोच्चि कंसोर्टियम की ओर से पेश किए गए कथित तौर पर गलत तरीके से तैयार किए गए वित्तीय मॉडल को मानने से इनकार कर दिया था। उनके मुताबिक ग्रुप ने ने 350 मिलियन डॉलर की भारी बोली लगाकर टीम को तो हासिल कर लिया लेकिन इसका फाइनेंशियल मॉडल पूरी तरह संदिग्ध था। जब उनसे पूछा गया कि शशि थरूर का बचाव कौन कर रहा था, तो ललित ने कहा कि सोनिया गांधी। हर तरफ से मुझ पर निशाना साधा गया था। मुझे अहमद पटेल के फोन आते थे। उन दिनों प्रणब मुखर्जी के फोन आते थे। राजीव शुक्ला मेरे पास आकर मुझे यह करने, वह करने के लिए कहते थे। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ने आगे कहा कि इस पर सस्पेंस तब और ज्यादा बढ़ गया, जब 'सुनंदा पुष्कर' नाम की एक अज्ञात महिला को बिना किसी इन्वेस्टमेंट के 25 फीसदी मुफ्त में इक्विटी दी जा रही थी। ललित मोदी ने इस 'शैडो शेयर होल्डर' की पहचान को लेकर सवाल उठाए थे। ललित मोदी ने थरूर पर सनसनीखेज आरोप लगाते हुए दावा किया कि उन्होंने कॉल पर उनसे कहा कि 'ललित सुनंदा के बारे में मत पूछो, वह मेरी अच्छी दोस्त हैं।

निकाय चुनाव के परिणाम घोषित

5 में से 3 में भाजपा ने लहराया परचम 2 नगर पंचायतों में कांग्रेस का कब्जा

रायपुर,4 जून। छत्तीसगढ़ में 1 जून को संपन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकायों के आम और उपचुनावों के नतीजे आज घोषित किए जा रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग की निगरानी में जारी मतगणना के बीच कई सीटों के परिणाम सामने आ चुके हैं। प्रदेशभर में नगर पंचायत अध्यक्ष, पार्षद, जनपद सदस्य, सरपंच और पंच समेत कुल 1310 रिक्त पदों के लिए मतदान कराया गया था। नगरीय निकाय चुनाव के तहत पांच नगर पंचायत अध्यक्ष पदों के लिए हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए तीन सीटों पर कब्जा जमाया है, जबकि कांग्रेस ने दो नगर पंचायतों में जीत दर्ज की है। इस चुनाव में नवगठित नगर पंचायतों घुमका, बम्हनीडीह, शिवानंदनपुर और पलारी के परिणामों पर विशेष नजर रही। इन क्षेत्रों में पहली बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों के चुनाव को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

सहसपुर लोहारा में भाजपा की सरिता मिश्रा विजयी-कवर्धा जिले की सहसपुर लोहारा नगर पंचायत में केवल अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराया गया था। यहां भाजपा की महिला प्रत्याशी सरिता संतोष मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 754 वोटों से पराजित कर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया।

घुमका नगर पंचायत में कांग्रेस की फूलमती वर्मा की जीत-राजनांदगांव जिले की नवगठित घुमका नगर पंचायत में कांग्रेस प्रत्याशी फूलमती वर्मा ने अध्यक्ष पद का चुनाव 85 मतों से जीत लिया। वहीं, 11 वार्डों में भाजपा, 3 वार्डों में कांग्रेस और 1 वार्ड में निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की।

बम्हनीडीह नगर पंचायत में BJP का दबदबा-जांजगीर-चांपा जिले की बम्हनीडीह नगर पंचायत में भाजपा प्रत्याशी रमेश डडसेना ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। वार्ड परिणामों में भी भाजपा का दबदबा देखने को मिला। वहीं, 11 वार्डों में भाजपा, 3 वार्डों में कांग्रेस और 1 वार्ड में निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की।

शिवानंदनपुर में BJP समर्थित अध्यक्ष निर्वाचित

-सूरजपुर जिले की शिवानंदनपुर नगर पंचायत में BJP के प्रत्याशी रितेश जायसवाल अध्यक्ष पद का चुनाव जीतने में सफल रहे। वार्ड चुनावों में यहां भी मुकाबला कांटे का रहा। कुल 15 वार्डों में से 8 वार्डों में कांग्रेस और 7 वार्डों में भाजपा प्रत्याशी विजयी हुए।

पलारी नगर पंचायत में कांग्रेस प्रत्याशी की जीत-बालोद जिले की नवगठित पलारी नगर पंचायत में कांग्रेस प्रत्याशी यानेश कुमार ने अध्यक्ष पद का चुनाव जीत लिया है। इसके साथ ही कांग्रेस ने इस नगर पंचायत में अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। वार्ड चुनाव परिणामों में भी कांग्रेस को बढ़त मिली है। यहां 9 वार्डों में कांग्रेस, 5 वार्डों में भाजपा के प्रत्याशी विजयी हुए हैं, जबकि 1 वार्ड में दोनों प्रत्याशियों को बराबर मत मिले हैं। इस वार्ड के विजेता का फैसला अब टॉस के जरिए किया जाएगा।

बस से पकड़ा गया 2 करोड़ रुपए का 20 क्विंटल गांजा

सूरजपुर,4 जून। गांजा तस्करी के लिए तस्कर अनोखे-अनोखे तरीके अपनाते हैं, लेकिन फिर भी पुलिस की पकड़ में आ जाते हैं. ऐसे ही एक मामले में बस के जरिए परिवहन किए जा रहे 2 करोड़ रुपए कीमत का 20 क्विंटल 'हरा सोना' पुलिस ने जब्त किया है.

जानकारी के अनुसार, जयनगर थाना क्षेत्र के सिलफिली में बस के जरिए गांजा का परिवहन किया जा रहा था. नीलम ट्रांसपोर्ट की बस अंबिकापुर से मध्यप्रदेश के कटनी जिला जा रही थी. बस में झाड़ू की आड़ में टोकरी में रखकर ले जाए जा रहे 20 क्विंटल गांजा को पुलिस ने 112 की मदद जब्त करने में कामयाबी हासिल की है. पुलिस की इस कार्रवाई से यह बात सामने आई कि परिवहन का कोई भी साधन तस्करों से नहीं बचा है. इसके लिए किसी भी भी जरिया बनाया जा सकता है. बहरहाल, पूरे वाकये में अच्छी बात यह रही कि बस का सहारा लेने के बाद भी तस्कर गांजा की तस्करी में सफल नहीं हो पाए. इसके बाद अब उन्हें तस्करी के लिए कोई और दूसरी तरकीब निकालनी पड़ेगी.

जापान में मस्जिद पर चलेगा बुलडोजर

टोक्यो,4 जून। पाकिस्तान की फिर हुई इंटरनेशनल बेइज्जती। इस बार यह बेइज्जती खाली कटोरा फैलाने के लिए नहीं बल्कि जापान को कराची समझकर अवैध मस्जिद खड़ी करने के लिए हुई है। जापान में बनी एक मस्जिद ने पाकिस्तान की नियत उसके कब्जाधारी इरादों को एक बार फिर एक्सपोज किया है। बता दिया है कि आतंकिस्तान की नियत में खोट है।

दो महीने पहले जापान में हजारों की संख्या में लोगों ने इसलिए प्रदर्शन किया था क्योंकि उन्हें डर था कि मस्जिद यहां पर बन रही है। लेकिन जापान के एक दूसरे शहर में पाकिस्तान ने अवैध तरीके से मस्जिद खड़ी कर दी। उसके राजदूत की मौजूदगी में मस्जिद का उद्घाटन भी हो गया। अब जापान में इस मस्जिद के खिलाफ माहौल गमाया हुआ है। बुलडोजर भी यहां चल सकता है। पाकिस्तान की फिर हुई इंटरनेशनल बेइज्जती। इस बार यह बेइज्जती खाली कटोरा फैलाने के लिए नहीं बल्कि जापान को कराची समझकर अवैध मस्जिद खड़ी करने के लिए हुई है। जापान में बनी एक मस्जिद ने पाकिस्तान की नियत उसके कब्जाधारी इरादों को एक बार फिर एक्सपोज किया है। बता दिया है कि आतंकिस्तान की नियत में खोट है। आतंकिस्तान की नीति अवैध कब्जे की है। क्योंकि जिस मस्जिद को लेकर जापान में गुस्सा फूटा है, उसका उद्घाटन अप्रैल में ही पाकिस्तानी राजदूत अब्दुल हमीद ने किया था। इसी साल अप्रैल में पाकिस्तान के राजदूत अब्दुल हमीद की मौजूदगी में इस मस्जिद का उद्घाटन किया गया था।

यह मस्जिद जापान के कुआगोई शहर में बनाई गई थी। लेकिन अब इस पर गिराए जाने का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि मस्जिद को गैरकानूनी तरीके से बनाया गया है और इसके लिए जरूरी अनुमति नहीं ली गई थी। इसलिए अब सवाल उठने लगा है कि क्या जापान में पाकिस्तान के अवैध कब्जे का बुलडोजर चलेगा? पाकिस्तान के वक्तव पर बोले गए झूठों से पर्दा उठता रहा है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से घबराए पाकिस्तान ने सीजफायर को लेकर झूठ बोला वो दुनिया के सामने आ गया।

घर में मिली महिला-पुरुष की लाश

लोरमी,4 जून। मुंगेली जिले के लोरमी क्षेत्र में एक ही घर के भीतर महिला और पुरुष की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है, जहां दोनों ने आत्मघाती कदम उठाया है। पूरा मामला खुड़िया वन क्षेत्र के पटपरहा गांव का है। जानकारी के मुताबिक घर के भीतर 50 वर्षीय संतराम बैगा की लाश फांसी के फंदे पर लटकती हुई मिली, तो वहीं 40 वर्षीय रामकली की लाश भी बरामद की गई है। आशंका जताई जा रही है कि रामकली की मौत जहर का सेवन करने की वजह से हुई है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। आसपास के लोगों की मानें तो पूरा मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इसी प्रेम प्रसंग के चलते दोनों ने मौत को गले लगा लिया। घटना की सूचना मिलते ही खुड़िया पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की बारीकी से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह और पूरी सच्चाई सामने आ पाएगी।

फुटबाल विश्व कप:2026, संयुक्त राज्य अमेरिका,मैक्सिको व कनाडा में होंगे मैच

खेल स्पर्धा प्रसारण में जी इंटरटेनमेंट की धमाकेदार वापसी

आलेख .. जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार, टीवी कमेंटेटर, रायपुर, छ ग .

आगामी 11 जून से प्रारंभ होने वाली दुनियां की सर्वाधिक लोकप्रिय फुटबाल प्रतियोगिता के प्रसारण अधिकार को लेकर लगातार कुछ ना कुछ खबर आ रही थी। फुटबाल के चाहने वाले कुछ लोगों के दिल की धड़कन तेजी से धड़क रहा था। सबके मन में यही प्रश्न उभरकर आ रहा था कि क्या हम 2026 के फुटबाल पुरुष विश्वकप के अंतर्गत खेले जाने वाले मुकाबलों का जीवंत प्रसारण देख पायेंगे या नहीं? 2022 का प्रसारण अधिकार रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्वामित्व वाले नेटवर्क विस्काम 18 ने प्राप्त किया था। माना जाता है इस एक मात्र इवेंट के शुरू से अंत तक प्रसारण के लिए उस समय उन्होंने 450 करोड़ लगभग 62 मिलियन अमेरिकी डालर की भारी भरकम राशि का भुगतान किया । 2022 में इस तरह विस्काम 18 ने सोनी, स्टार और अन्य बड़े ब्राडकास्टर्स को पीछे छोड़ दिया था। टीवी पर स्पोर्ट्स 18 चैनल द्वारा सीधा प्रसारण किया गया जबकि जिओ सिनेमा और वेब साइट पर बिल्कुल मुक्त में 4 के रेजोल्यूशन तकनीक के साथ किया गया था।

पिछले विश्वकप के मैच का आँखों देखा हाल दर्शकों की पसंद का ख्याल रखते हुए अंग्रेजी, हिन्दी के साथ- साथ तमिल, बंगाली, मलयालम जैसी क्षेत्रीय भाषा में भी किया गया था। कहा जाता है कि

भारत में इस बार 2022 के प्रसारण करने वाली मीडिया संस्था जियो स्टार ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई इसकी वजह संयुक्त अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले मैच भारतीय समय अनुसार रात 11 बजे से सुबह 7 बजे तक ही होंगे। इच्छुक प्रसारणकर्ताओं ने दर्शकों के लिए, विज्ञापनदाताओं के लिए भारत के मध्य रात्रि के प्रसारण को लाभप्रद नहीं माना और सिर्फ 12 दिन पूर्व तक भारत में प्रसारण के अधिकार को लेकर कोई निर्णय नहीं हुआ था।

एक समय था जब किसी चैंपियनशिप को आर्थिक रूप से सफलतापूर्वक चलाने के लिए दर्शकों से प्राप्त प्रवेश शुल्क मुख्य राजस्व होता था परंतु 1984 के लांस एजिल्स ओलंपिक खेलों के प्रसारण अधिकार को किसी मीडिया समूह को बेचे जाने से जिस तरह बम्फर राजस्व की प्राप्ति हुई उससे खेलों की दुनियां की तस्वीर बदल गई। दर्शकों से प्रवेश शुल्क की चिंता किए बगैर अब मैच के सीधे प्रसारण के कारण प्राप्त राशि से संपूर्ण चैपियनशिप का आयोजन, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों व सहयोगी सदस्यों के आवास, भोजन, सुरक्षा आवागमन तथा पुरस्कार दिया जाना संभव हुआ। अतः खेलों के संसार में 1984 लांस एंजिल्स ओलंपिक को टर्निंग प्लाइंट माना जाता है प्रसारण का अधिकार पाने वाली ग्रुप मैचों का जीवंत प्रसारण स्पोर्ट्स चैनल में एसडी, एचडी तकनीक से करते हैं। साथ ही डिजिटल प्लेटफार्म पर ऐप व बेवसाइड, मोबाइल, टेबलेट व अन्य इलेक्ट्रानिक माध्यम से अत्याधुनिक तकनीक द्वारा साफ, सुंदर व तीव्र गति से मैच का प्रसारण करते हैं। आर्थिक दृष्टि से 147 करोड़ की आबादी को देखते हुए इसे इस जगत के समस्त देशों के व्यापारिक संस्थान भारत को बड़ा बाजार मानते हैं और हर कोई यहां व्यापार करना चाहता है। इसके बावजूद फीफा 2026 पुरुष विश्वकप के मुकाबलों के प्रसारण के लिए किसी भारतीय मीडिया समूह द्वारा दिलचस्पी नहीं लेने से अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल एसोसिएशन के पदाधिकारी भी चिंतित थे। उनके लिए पिछली बार के अनुसार कम से कम 450 करोड़ रुपये पाने की चाहत बनी हुई थी। सुनने में आया है कि पिछले प्रसारणकर्ता वायकाम 18 स्पोर्ट्स ने इस बार 300 करोड़ रुपये में प्रसारण अधिकार चाहते थे लेकिन फीफा के मीडिया अधिकारी तैयार नहीं हुए हालांकि उन्होंने प्रसारण शुल्क को लगभग 336 करोड़ कम करने का प्रस्ताव जियो स्टार को दिया था। डील फाइनल होने से ठीक पहले फीफा के मीडिया अधिकारियों के समक्ष भारत के जी इंटरटेनमेंट मीडिया ग्रुप की ओर से अगले 8 से 9 साल तक लंबे समय तक फीफा के सभी विश्वकप के प्रसारण के अधिकार को प्राप्त करने हेतु सीईओ पुनीत गोयनका (जो कि विख्यात उद्योगपति सुभाष चंद्रा के बेटे हैं।) के द्वारा प्रस्ताव रखा गया और आखिरकार फीफा के साथ समझौता हो गया है। इसकेसाथ ही भारतीय खेल प्रेमियों को फीफा विश्वकप 2026 के सभी मैच को लाइव देखने का मार्ग खुल गया है। बार- बार समझौते के झंझट से भी फीफा अधिकारियों ने मुक्ति पा ली है।अब जी इंटरटेनमेंट मीडिया ग्रुप द्वारा 2026,20230,2034 के पुरुष विश्वकप, 2027,2031के महिला विश्वकप फीफा अंडर-17, अंडर-20 महिला पुरुष,फीफा फुटबाल विश्वकप इंटरकांटिनेंटल विश्वकप सहित 1034 तक करीब 39 चैंपियनशिप के प्रसारण का अधिकार प्राप्त कर लिया गया है।

तेल संकट के बीच मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

नईदिल्ली,4 जून। मिडिल ईस्ट युद्ध के कारण भारत में जन्में संकटों में से एक एयरलाइन उद्योग है. US-Iran के बीच जारी युद्ध के चलते भारत का एयरलाइन इंडस्ट्री अभी सबसे ज्यादा संकटों से घिरा हुआ है. उड़ानों की लागत बढ़ने की वजह से तमाम एयरलाइंस को भारी मुश्किल हो रही है. इस तेल संकट के बीच मोदी सरकार ने 3 जून 2026 को कैबिनेट की बैठक में एक बड़ा फैसला लेते हुए बड़ा ऐलान किया है. पीएम की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को 10 हजार रुपये के एटीएफ फंड को मंजूरी दी गई है. तेल संकट के बीच मोदी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में एविएशन सेक्टर को राहत देने के लिए दो बड़े फैसले किए गए हैं.

एक नजर

पैसे मांगने पर दो उपनिरीक्षक निलंबित

दुर्ग, 4 जून (तछसं.)। दुर्ग जिले में एक आपराधिक प्रकरण के आरोपी पक्ष से कथित रूप से पैसे मांगने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो उप निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है जारी आदेश के अनुसार थाना पुरानी भिलाई में पदस्थ उप निरीक्षक तुलसीराम साहू तथा थाना खुर्सीपार में पदस्थ उप निरीक्षक देवलाल साहू के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। दोनों पुलिस अधिकारियों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था इस में एक मामले में आरोपी पक्ष से पैसे मांगने की बात सामने आने का उल्लेख किया गया है आदेश में कहा है कि वायरल वीडियो के आधार पर प्रथम दृष्टया दोनों उप निरीक्षकों का आचरण संदिग्ध एवं विभागीय मर्यादा के विपरीत प्रतीत होने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि के दौरान दोनों अधिकारियों का मुख्यालय रक्षित केंद्र, दुर्ग निर्धारित किया गया है इस अवधि में उन्हें नियमानुसार निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक छावनी को प्रारंभिक जांच कर तीन दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है यह आदेश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय दुर्ग से जारी किया गया है पुलिस विभाग की इस कार्रवाई को वायरल वीडियो प्रकरण में त्वरित अनुशासनात्मक कदम माना जा रहा है।

हेरोइन सहित महिला गिरफ्तार

भिलाई, 4 जून (तछसं.)। हेरोइन के साथ पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है पुरानी भिलाई टीआई अंबर सिंह भारद्वाज ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर खुर्सीपार जोन 3 निवासी रज्जी कौर के पास से नशे का सामान हेरोईन 5.80 ग्राम बरामद किया गया है जिसकी कीमत 5.80 लाख रुपए आंकी गई है इस के अलावा नगदी रकम और बेचने की राशि 20 हजार 900 रूपये, तीन मोबाइल जब्त किया है मुखबिर की सूचना पर आरोपिया रज्जी कौर सिरसागेट यात्री प्रतिक्षालय के पास हेरोईन चिट्ठा रखकर बेचने की का प्रयास कर रही थी। महिला को पुरानी भिलाई थाने पुलिस तुरंत पकड़ने पहुंची। उसके पास से हेरोईन मिला महिला से पूछताछ करने पर नसे का सामान बेचना स्वीकार किया महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

चाकू से लोगों को डरा रहा युवक गिरफ्तार

भिलाई, 4 जून (तछसं.)। सुपेला टीआई विजय यादव ने बताया कि आज मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति आर के ग्राउंड राधिका नगर सुपेला में हाथ में चाकू लेकर लहराकर आने जाने वाले लोगो को डरा धमका रहा है सूचना पर घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ करने पर अपना नाम शेख बबलू (35 साल) गौतम नगर सुपेला बताया आरोपी शेख बबलू के कब्जे से एक लोहे का धारदार चाकू बरामद किया है।

दावा-आपत्ति 12 जून तक आमंत्रित

दुर्ग, 4 जून। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा सहायिकाओं के रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु आंगनबाड़ी केन्द्र प्रेमनगर, लक्ष्मी नगर सुपेला-01, गांधी चौक, सुंदर नगर कोहका, पुरेना-अ के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया था। प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों का परियोजना स्तरीय मूल्यांकन समिति द्वारा स्क्रूटनी पश्चात परीक्षण कर पात्र/अपात्र की अनंतिम मूल्यांकन सूची तैयार की गई है।

सहसपुर लोहारा अध्यक्ष सरिता मिश्रा की जीत को बीजेपी ने बताया ऐतिहासिक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 4 जून। पंचायत सहसपुर लोहारा उपचुनाव में बीजेपी से श्रीमती सरिता मिश्रा की जीत होते ही बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर फैल गई है। पूर्व विधायक अशोक साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, वरिष्ठ बीजेपी नेता रामकिंकर वर्मा, बोड़ला जनपद अध्यक्ष श्रीमती बालका रामकिंकर वर्मा, बोड़ला जनपद उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि लोकचंद गंगा साहू, पूर्व जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष मनीराम साहू, जिला बीजेपी महामंत्री नितेश अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि छोटू चंद्रवंशी जिला बीजेपी महामंत्री मुकेश ठाकुर ने सरिता मिश्रा की जीत पर कहा की सहसपुर लोहारा नगर पंचायत में सरिता

मिश्रा की जीत ऐतिहासिक जीत है। बीजेपी से सरिता संतोष मिश्रा को 1949 और कांग्रेस से रोशन वैष्णव को 1187 एवं निर्दलीय प्रत्याशी अजय यादव को 1018 एवं डाकेश्वर श्रीवास को 25 एवं गुलशन कुमार गंधर्व को 10 को महादेव कुम्भकार को 17 नोटा को 31 मत मिले।

उप निर्वाचन 2026 - सहसपुर लोहारा नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए मतगणना संपन्न

कवर्धा, 4 जून। नगर पालिका उप निर्वाचन 2026 के अंतर्गत नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के अध्यक्ष पद के लिए 01 जून 2026 को हुए मतदान की मतगणना आज 04 जून 2026, गुरुवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। मतगणना उपरांत घोषित परिणामों के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी सरिता संतोष मिश्रा को 1,949 मत, इंडियन नेशनल कांग्रेस के रोशन वैष्णव को 1,187 मत, निर्दलीय प्रत्याशियों अजय यादव को 1,018 मत, डाकेश्वर श्रीवास को 25 मत, महादेव कुम्भकार को 17 मत तथा गुलशन कुमार गंधर्व को 10 मत प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त नोटा के पक्ष में 31 मत दर्ज हुए थे। प्राप्त मतों के आधार पर रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा सरिता संतोष मिश्रा को नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचित घोषित किया गया। मतगणना पीएम श्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, सहसपुर लोहारा में प्रातः 08 बजे प्रारंभ हुई। मतगणना हेतु 15 गणना टेबल लगाए गए थे। प्रत्येक गणना टेबल पर एक गणना पर्यवेक्षक एवं एक गणना सहायक की ड्यूटी लगाई गई थी। मतगणना की प्रक्रिया एक ही चक्र (राउंड) में पूर्ण की गई। मतगणना के दौरान आवश्यक सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी तथा पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

युवा संगम के तहत दिल्ली के 60 युवाओं ने देखा औद्योगिक वैभव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 जून। युवा संगम फेज-6 के अंतर्गत दिल्ली से आए 60 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने बीएसपी का भ्रमण कर देश की औद्योगिक एवं तकनीकी प्रगति को करीब से देखा। कार्यक्रम में आईआईटी भिलाई ने छत्तीसगढ़ के नोडल संस्थान के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संयंत्र पहुंचने पर मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया। भ्रमण से पूर्व प्रतिभागियों को औद्योगिक सुरक्षा, कार्यस्थल सावधानियों और संयंत्र भ्रमण के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा मानकों की जानकारी दी गई तथा आवश्यक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए। इसके बाद युवाओं ने संयंत्र की विभिन्न उत्पादन इकाइयों का भ्रमण किया। विशेषज्ञ अधिकारियों ने उन्हें इस्पात निर्माण की आधुनिक प्रक्रियाओं, धातुकर्म तकनीकों, भारी इंजीनियरिंग तथा उत्पादन प्रणाली की जानकारी दी। प्रतिभागियों ने बड़े पैमाने पर संचालित इस्पात उत्पादन गतिविधियों और देश के आधारभूत ढांचे के निर्माण में भिलाई इस्पात संयंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को समझा। भ्रमण के दौरान युवाओं और संयंत्र अधिकारियों के बीच संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें औद्योगिक विकास, तकनीकी नवाचार, रोजगार के अवसर और भविष्य की प्रौद्योगिकियों से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। युवाओं ने इसे सीखने और औद्योगिक कार्यप्रणाली को समझने का बेहतर अवसर बताया। कार्यक्रम के संचालन में सहायक प्रबंधक बलराम मसराम एवं सैफुद्दीन फजली की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कृषक उन्नति योजना का सकारात्मक प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्र में स्पष्ट दिखाई दे रहा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 4 जून। राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से संचालित कृषक उन्नति योजना कई किसानों के लिए बदलाव का माध्यम बन रही है। कवर्धा विकासखंड अंतर्गत ग्राम ज्ञानपुर के किसान श्री धर्मेंद्र चंद्राकर ने योजना से प्राप्त एकमुश्त राशि का लाभ लेकर नया ट्रैक्टर खरीदा है, जिससे उनकी खेती अब अधिक आधुनिक और सुविधाजनक हो गई है।

जिले के ग्राम ज्ञानपुर निवासी किसान श्री धर्मेंद्र चंद्राकर के पास लगभग 8 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें वे मुख्य रूप से धान की खेती करते हैं। पिछले खरीफ सीजन में उन्होंने 147 क्विंटल धान का विक्रय किया। धान बेचने के बाद उन्हें समर्थन मूल्य की राशि सीधे उनके खाते में प्राप्त हुई। इसके साथ ही कृषक उन्नति योजना के तहत अंतर की एकमुश्त राशि 1 लाख 8 हजार रुपए भी मिली। श्री धर्मेंद्र बताते हैं कि पहले खेती में लागत अधिक और संसाधन सीमित होने के कारण कई योजनाएं केवल सोच तक सीमित रह जाती थीं। लेकिन कृषक उन्नति योजना से मिली अतिरिक्त आर्थिक सहयोग ने किसानों को आगे बढ़ने का अवसर दिया है। सरकार द्वारा धान 3100 रुपए में खरीदी की जाने से खेती को नई मजबूती मिली है और किसानों का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। धर्मेंद्र चंद्राकर ने बताया कि कृषक उन्नति योजना से मिली राशि उनके लिए बड़ी सहायता साबित हुई। इस राशि को उन्होंने अपनी जमा पूंजी के साथ जोड़कर नया ट्रैक्टर खरीदा, जिससे खेती के कार्यों में तेजी आई है। अब खेत की तैयारी, बुवाई और अन्य कृषि कार्य समय पर और कम लागत में पूरे हो पा रहे हैं। श्री धर्मेंद्र ने कहा कि आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग से न केवल श्रम की बचत होती है बल्कि उत्पादन बढ़ाने में भी मदद मिलती है। उनका कहना है कि खेती को आधुनिक बनाने की दिशा में यह ट्रैक्टर उनके लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और आने वाले समय में वे उत्पादन बढ़ाने के साथ नई कृषि तकनीकों को भी अपनाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने किसानों के हित में संचालित योजनाओं और कृषि को लाभकारी बनाने के प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

दुर्ग, 4 जून। जामगांव (र) स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में सुशासन शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों एवं हितग्राहियों की समस्याओं के निराकरण एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। शिविर में हजारों की संख्या में ग्रामीण जनों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों में उत्साह देखने को मिला।

चीन दौरे से लौटे समाजसेवी इंद्रजीत सिंह का लोगों ने किया स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 जून। शहर के युवा समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू के चीन दौरे से वापस लौटने पर कोहका स्थित सर्व समाज कल्याण समिति कार्यालय में उनका स्वागत किया गया। उनके आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग कार्यालय पहुंच गए और स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिख समाज सहित विभिन्न समाजों के महिला, पुरुष एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं माल्यार्पण कर इंद्रजीत सिंह छोटू का आत्मीय स्वागत किया तथा उनके सामाजिक योगदान की सराहना की। स्वागत कार्यक्रम के दौरान समाजहित, जनकल्याण और क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने सामाजिक एकता, जनसेवा और क्षेत्रीय विकास को लेकर अपने विचार रखे। इस अवसर पर इंद्रजीत सिंह छोटू ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज के हर वर्ग के हित में निरंतर कार्य करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग और विश्वास से ही जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और जनकल्याण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प भी व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और सम्मान का माहौल बना रहा तथा उपस्थित लोगों ने इंद्रजीत सिंह छोटू को उनके विदेश दौरे के लिए शुभकामनाएं दीं।

दो दिवसीय विक्रेता सहयोग सम्मेलन समन्वय-26 का शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 जून। बीएसपी की उत्पादन क्षमता को 6.8 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) से बढ़ाकर 10.2 एमटीपीए करने की महत्वाकांक्षी विस्तार परियोजना के क्रियान्वयन के लिए परियोजना विभाग द्वारा मंगलवार को भिलाई निवास में दो दिवसीय विक्रेता सहयोग सम्मेलन समन्वय-2026 का शुभारंभ किया गया। भविष्य के विस्तार हेतु सहभागिता का सुदृढ़ निर्माण विषय पर आधारित इस सम्मेलन में देशभर की 100 से अधिक कंपनियों के 200 से ज्यादा प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक पी.के. सरकार, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक ए.के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार सहित संयंत्र और सेल निगमित कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में चित्त रंजन महापात्र ने कहा कि भारत सरकार ने वर्ष 2030-31 तक देश की इस्पात उत्पादन क्षमता को 300 मिलियन टन तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी दिशा में सेल भी वर्ष 2030 तक अपनी उत्पादन क्षमता 35 मिलियन टन करने की योजना पर कार्य कर रहा है, जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र का 10.2 एमटीपीए विस्तार एक महत्वपूर्ण परियोजना है। कार्यपालक निदेशक पी.के. सरकार ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह विस्तार परियोजना केवल इंजीनियरिंग उत्कृष्टता से नहीं, बल्कि सभी भागीदारों के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग से ही सफल हो सकेगी।

एलडीसीपी का किल्न-3 पुनः उत्पादन में शामिल

भिलाई, 4 जून। बीएसपी के लाइम एवं डोलो कैल्सिनेशन प्लांट एलडीसीपी के किल्न-3 का कैपिटल रिपेयर कार्य पूर्ण होने के बाद 2 जून को उसका पुनःप्रचालन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने किल्न को पुनः उत्पादन में शामिल करते हुए परियोजना से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया गया यह कार्य संयंत्र की तकनीकी दक्षता, टीमवर्क और उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का परिचायक है। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तुषार कांत, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बिजय कुमार बेहेरा, मुख्य महाप्रबंधक सुशांत कुमार घोषाल, मुख्य महाप्रबंधक प्रोसेनजीत दास, मुख्य महाप्रबंधक इन्द्रजीत सेनगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक पी.पी.वी.एस. मूर्ति तथा मुख्य महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक प्रभारी वी. के. ओगले ने अतिथियों का स्वागत किया। वहीं प्रबंधक विनय कुमार पवार ने कैपिटल रिपेयर कार्य पर तकनीकी प्रस्तुति देते हुए मरम्मत के विभिन्न चरणों, तकनीकी चुनौतियों और किए गए।

जामुल में वरिष्ठ नागरिकों को जल्द मिलेगी सियान सदन की सौगात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जामुल,4 जून। नगर पालिका परिषद जामुल क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों एवं बुजुर्गों को जल्द ही सियान सदन की सुविधा मिलने वाली है। वार्ड क्रमांक 18 स्थित सुरडुंग मोड़ पर निर्माणाधीन सियान सदन का निरीक्षण करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ठाकुर ने बताया कि नगर पालिका जामुल में सभी वर्गों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष निधि से विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर के वरिष्ठ जनों और बुजुर्गों के लिए सियान सदन का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे उन्हें बैठने, विश्राम करने और आपसी संवाद के लिए एक उपयुक्त स्थान उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि किसी भी नगर की पहचान केवल बुनियादी सुविधाओं से नहीं होती, बल्कि वहां के अनुभवी नागरिकों के मार्गदर्शन और सुझाव भी समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान समय में बड़ी संख्या में बुजुर्ग सुबह-शाम सैर के लिए निकलते हैं और इस दौरान उन्हें बैठकर चर्चा एवं विश्राम के लिए स्थान की आवश्यकता महसूस होती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सियान सदन का निर्माण कराया जा रहा है।

80774 ग्रामीण परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने दिया सुख, समृद्धि और सम्मान का जीवन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,4 जून। कबीरधाम ज़िले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से हजारों ग्रामीण परिवारों के जीवन में सुख, समृद्धि और सम्मान का संचार हो रहा है। यह तब होता है जब योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं प्रबंधन से समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्तियों के जीवन की मूलभूत आवश्यकता रोटी, कपड़ा और मकान सहज उपलब्ध हो और जीवन की गाड़ी अच्छे से आगे बढ़ती रहे। ग्रामीण हितग्राही अपना खुद का घर बनाकर उसमें रोजगार प्राप्त कर रहे हैं और जीवन की मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति कर रहे हैं। गरीब ग्रामीण परिवारों को उनका अपना पक्का घर मिले यह सपना प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने देखा और इसे पूरा करने के लिए वे सतत आगे बढ़ते रहे। अब सपने साकार होने लगे है और ग्रामीण क्षेत्र में इसकी तस्दीक पक्के घरों से सहज ही होता है।

उल्लेखनीय है की प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में अभी तक 100248 घरो के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त हुआ। जिसमें से 99652 हितग्राहियों को आवास निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी गई। स्वीकृति के आधार पर 98764 ग्रामीण परिवारो को प्रथम किस्त की राशि, 89372 हितग्राहियों को द्वितीय किस्त की राशि, 76053 हितग्राहियों को तृतीय किस्त की राशि और 24698 हितग्राहियों को चतुर्थ किशत की राशि उनके बैंक खाते में ऑन लाईन डी.बी.टी. के माध्यम से पी.एफ.एम.एस. द्वारा सहायत राशि जारी किया गया। ग्रामीण परिवारों को मिले आर्थिक मदद से अब तक 80774 ग्रामीण परिवारों ने अपना पक्का घर बन लिया है और वो इसमे अपने परिवार

सहित खुशी खुशी रहने लगे हैं। शेष 18878 आवासो का निर्माण भी तीव्र गति से हो रहा और जल्द ही इन परिवारों को अपने पक्के घरो के खुशियों की चाबी भी मिल जाएगी। गौरतलाब है कि अभी तक स्वीकृत हुए 100248 आवासो में से उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों से कबीरधाम जिले में महज विगत 2 वर्षों में कुल 51650 आवास निर्माण का नया लक्ष्य ज़िले को मिला। जो योजना प्रारंभ से लेकर अब तक किसी दो वर्षों में स्वीकृत आवासो की संख्या सर्वाधिक है।इन मे से 50996 आवास की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। स्वीकृत आवास के विरूद्ध 50130 हितग्राहियों को प्रथम,41318 हितग्राहियों को द्वितीय एवं 28527 हितग्राहियों को तृतीयकिश्त की राशि उनके स्वंय के बैंक खाते में ऑन लाईन डी.बी.टी. के माध्यम से पी.एफ.एम.एस. के द्वारा हस्तांरित किया गया। आज दिनांक तक 33657 आवास का निर्माण पूर्ण हुआ है एवं 17339 आवास निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

योजनाओं के अभिसरण से सुविधाओं का हुआ विस्तार -प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को शासन की अन्य योजनाओं से लाभान्वित किया गया। योजनाओं के अभिसरण से रोजगार, खाद्य सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था, आयुष्मान भारत अंतर्गत आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड जैसे मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर योजनाओं का लाभ सभी तक पहुंचाया गया। अभिसरण अंतर्गत वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से लाभान्वित हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनांओं का लाभ प्राप्त हुआ है जिसका विवरण निमानुसार है।

शौचालय निर्माण- जिले में स्वीकृत 99652 आवास में से 80799 घरों में शौचालय का निर्माण स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण और मनरेगा के द्वारा पूर्ण कराया गया है।

विद्युत व्यवस्था - आवास योजना के 23474 लाभार्थियों को पंडित दीनदयाल सौभाग्य योजना द्वारा उनके घरों को रौशन किया जा चुका है। तथा अन्य हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने का कार्य प्रगति पर है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अंतर्गत निःशुल्क गैस सिलेण्डर - जिले 15102 आवास हितग्राहियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत निशुल्क गैस-चूल्हा प्रदान किया जा चुका है।तथा अन्य हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने का कार्य प्रगति पर है।

जल जीवन मिशन के तहत पेयजल व्यवस्था - जल जीवन मिशन के तहत 14957 आवास लाभार्थियों के घरों में पीने एवं अन्य उपयोग हेतु स्वच्छ पानी की आपूर्ति हो रही है और इस योजना से लाभान्वित हो रहे है। तथा अन्य हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने का कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त सभी आवास निर्माण में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के द्वारा 90 दिनों का रोजगार के साथ वर्तमान में प्रचलित 261 रुपए की मजदूरी मिल रही है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य के तहत आयुष्मान कार्ड,खाद्य सुरक्षा के तहत राशन कार्ड एवं अन्य विभागीय योजनाओं से हितग्राहियों को पात्रता अनुसार लाभान्वित किया जा रहा है।

शासन की योजनाओं का लाभ घर-घर तक पहुंचे यही हमारा संकल्प - कलेक्टर

आवास योजना के लाभार्थियों को आजीविका,रोजगार और बेहतर स्वास्थ्य सहित अन्य योजनाओं से लाभान्वित करने का कार्य सतत जारी है। ग्रामीण परिवार सम्मान के साथ पक्के घरों में रह सके और जीवन यापन के लिए उन्हें रोजगार का अवसर मिले इसके लिए गांव में ही पहले से इंतजाम किए गए हैं। हजारों परिवार योजना से लाभान्वित होकर खुशी-खुशी अपना जीवन ज्ञापन कर रहे हैं।

लगातार प्रयास से मिले सुखद परिणाम, हजारों परिवारों को मिला पक्का घर- सीईओ अभिषेक अग्रवाल हजारों परिवारों के लिए एक साथ आवास का निर्माण करना चुनौती पूर्ण रहा है।निर्माण सामग्रियों की समय पर उपलब्धता और कार्य की गुणवत्ता भी महत्वपूर्ण कारक है। योजना से जुड़े कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों का मार्गदर्शन कर निर्माण के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। यही कारण है कि जिले के 80000 से अधिक परिवारों को उनका अपना पक्का घर बनाकर मिल गया। शासन की सभी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए अभिसरण द्वारा प्रयास हो रहा है। बहुत से आवास लाभार्थियों को अनेकों लाभ प्राप्त हो चुके हैं तथा बचे हुए आवास लाभार्थियों को उनकी पात्रता अनुसार अन्य योजनाओं का लाभ भी यथाशीघ्र मिलने लगेगा।

फार्म हाउस के कर्मचारी की बदमाशों ने हत्या कर दी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 जून। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के एक फार्म हाउस के कर्मचारी को निगरानी बदमाश व एक अन्य ने लाठी-डंडा से पीट पीटकर मौत के घाट उतार दिया। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है पुरानी भिलाई टीआई अंबर सिंह भारद्वाज ने बताया कि ग्राम-मोहंदी के फार्म हाउस के सर्वेंट क्वार्टर में 2 जून को वहां के एक कर्मचारी नीलकंठ साहू (55 साल) की लाश मिली है। सर्वेंट क्वार्टर में नीलकंठ साहू अपनी पत्नी सावित्री साहू के साथ रहता था। मृतक नीलकंठ का बांया हाथ टूटा हुआ है और शरीर के कुछ हिस्सों में चोट के निशान मिलने से उसकी मौत को पुलिस संदिग्ध मानकर जांच में जुटी रही। जांच में मृतक नीलकंठ साहू अपनी पत्नी सावित्री को डंडे से मारपीट कर सिर में चोट पहुंचाने के नाम से विवाद कर आरोपी थाने में लिस्टेड एक गुंडा बदमाश राजेश कुमार वर्मा उर्फ मुंडूल ने डंडा से एवं अमर सिंह हाथ मुक्का से मृतक नीलकंठ साहू को डंडा से सिर, पैर, सीने, हाथ मे गंभीर चोट पहुंचाने से उसकी मौत हो गई थी। इस आधार पर मृतक की पत्नी सावित्री साहू की रिपोर्ट पर आरोपी राजेश वर्मा (50 साल) निवासी इन्द्रा पारा थाना पुरानी भिलाई व अमर सिंह यादव (45 साल) निवासी ग्राम मोहंदी वांधापार पुरानी भिलाई के खिलाफ धारा 103(1),3 (5) बीएनएस का मामला दर्ज कराय पुरानी भिलाई थाने पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है बताया जा रहा है कि नीलकंठ साहू मूलतः रायपुर जिले का रहने वाला था। विगत तीन - चार वर्षों से वह अपनी पत्नी सावित्री साहू के साथ फार्म हाउस में काम कर रहा था।

एक नजर

एआई+ स्मार्टफोन ने मई में बेचे 3 लाख से अधिक फोन, 350 करोड़ से ज्यादा का राजस्व

रायपुर/ जयपुर 4 जून। एआई+ स्मार्टफोन ने मई 2026 में 3 लाख से अधिक स्मार्टफोन यूनिट्स की बिक्री कर ?350 करोड़ से ज्यादा का राजस्व हासिल किया है। कंपनी ने बताया कि लॉन्च के एक वर्ष से भी कम समय में वह देश के तेजी से उभरते स्मार्टफोन ब्रांड्स में शामिल हो गई है। यह सफलता अप्रैल 2026 में लॉन्च हुए नोवा 2, नोवा 2 अल्ट्रा और नोवा फ्लिप स्मार्टफोन्स की मजबूत मांग के चलते मिली है। कंपनी के सीईओ एवं नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजी के संस्थापक माधव शेठ ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य केवल स्मार्टफोन बेचना नहीं, बल्कि तकनीक को अधिक सुलभ, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाना है। एआई+ स्मार्टफोन की नोवा 2 सीरीज देशभर में फ्लिपकार्ट और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है।

नक्सल पीड़ितों की समस्याओं के समाधान के लिए आईजी ने कलेक्टर को लिखा पत्र

डोंगरगढ़ /राजनांदगांव 4 जून4 जून(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नक्सल पीड़ित परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए राजनांदगांव पुलिस ने सकारात्मक पहल की है। नक्सल पीड़ित परिवार संघ के आवेदन पर कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव ने प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक प्रतिवेदन पुलिस महानिरीक्षक (IG) राजनांदगांव रेंज को भेजा। मामले को गंभीरता से लेते हुए द्धत्व राजनांदगांव ने 27 मई 2026 को कलेक्टर राजनांदगांव को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 के तहत पात्र परिवारों के लंबित प्रकरणों का नियमानुसार निराकरण करने का आग्रह किया है जिसकी जानकारी अतिरिक्त पुलिसमहानिदेशक को भी भेजा गया हैं ।धीरेन्द्र साहू ने कहा पुलिस विभाग की इस पहल से नक्सल पीड़ित परिवारों को पुनर्वास योजना का लाभ मिलने की उम्मीद बढ़ी है। ज़िला प्रशासन से मांग किया हैं जल्द पूनर्वास समिति का मीटिंग क़र पीड़ित परिवार को पूनर्वास का लाभ दिया जाए।

नाबालिग से दुष्कर्म कर, आत्महत्या के लिए उकसाने वाले आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव 4 जून(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रार्थीयां रिपोर्ट दर्ज कराया कि

इनकी नाबालिक पुत्री 2-3 माह पूर्व कॉल सेंटर में काम करने टेडेसरा राजनांदगांव आयी थी, जो टेडेसरा में रंजित सिंग के ढाबा में रहती थी, करीबन 15 दिनो से टेडेसरा के किराए के मकान में रहने लगी थी जो बतायी थी कि रंजित सिंग पीडिता/मृतिका के साथ मारपीट कर जबरदस्ती शारिरिक संबंध बनाता है और घर जाने की बात करने पर कमरे में बद कर देता है। जिस कारण पीडिता/मृतिका द्वारा आत्यहत्या किया गया है प्रार्थीयां के रिपोर्ट दर्ज कराने पर आरोपी रंजित सिंग के विरूद्ध धारा 64,127(2),108 बीएनएस 3,4 पाक्सो एक्ट का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण नाबालिक बालिका संबंधी गंभीर प्रकृति का होने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन बाद श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय सुश्री अंकिता शर्मा (भा0पु0से0) के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन व नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंण्डर के पर्यवेक्षण एवं थाना प्रभारी सोमनी निरीक्षक दिलीप पटेल के नेतृत्व में थाना सोमनी पुलिस की टीम गठित कर प्रकरण के आरोपी रंजीत सिंग पिता शीतल सिंग उम्र 22 साल निवासी ग्राम सौन्दर थाना डुग्गीपार जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) हाल पता-पीएनआर0 ढाबा, अरोरा फ्यूल्स टेड़ेसरा थाना सोमनी जिला राजनांदगांव (छ.ग.) को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर जुर्म करना स्वीकार किया जिसे विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सोमनी निरीक्षक दिलीप पटेल, उनि बलदाऊ चंद्राकर, सउनि चैतुराम आर्य, प्र0आर0 दुलेश्वर साहू, आर0 दिनेश वर्मा, मनोज हरमुख एवं समस्त स्टाफथाना सोमनी में महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा है।

महापौर एवं कलेक्टर ने सुबह वार्डो में सफाई तथा निर्माण कार्य का लिया जायजा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 4 जून। मूलभुत सुविधा बिजली, पानी, सफाई का हाल जानने महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव सुबह वार्डो मे पहुँचे। उन्होंने वार्ड नं. 42 राजीव नगर में साफ सफाई का जायजा लेकर पीलिया प्रभावित परिवार से मुलाकात की। इसके अलावा निर्माण कार्य निरीक्षण की कडी में आडिटोरियम मरम्मत कार्य तथा गंजपारा स्कूल जीर्णोद्धार कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, सांसद प्रतिनिधि श्री देवशरण सेन, पार्षद प्रतिनिधि श्री राजेश यादव की उपस्थिति रही।

महापौर श्री यादव व कलेक्टर श्री यादव राजीव नगर में पीलिया प्रभावित परिवार से मुलाकात कर उनसे स्वास्थ्य संबंधी चर्चा किए। पीडितो ने जानकारी दी कि वर्तमान में बढ़ी गर्मी तथा बच्चों द्वारा बाहर खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हुआ, पानी साफआ रहा है। महापौर ने कहा कि खान पान का विशेष ध्यान रखे, पानी उबालकर व छानकर पीये। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी से कहा कि वार्ड में साफ सफाई का विशेष ध्यान

रखा जाए, क्लोरिंन टेबलेट का वितरण करे, गड्ढो में भरे पानी की निकासी कराए। जल प्रभारी अधिकारी को प्रतिदिन पानी में क्लोरिंन जॉच कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि पानी में क्लोरिंन की मात्रा की जॉच करे, नालियो की सफाई कर कचरा नियमित रूप से उठावें, दवा का छिडकाव करे। पीलिया प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य परीक्षण करावे। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि पीलिया ग्रसित 5 मरीज का जिला चिकित्सालय में ईजाल किया जा रहा है। जिसमें से 1 मरीज डिस्चार्ज हो गये, 1 का ईलाज घर मे चल रहा है। प्रभावित क्षेत्र में सफाई एवं जल विभाग का अमला सक्रियता से काम कर रहे है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में पानी जॉच हेतु भेजा गया है।

निर्माण कार्य निरीक्षण की कडी में आडिटोरियम मरम्मत कार्य का जायजा लेकर कार्य की प्रगति की जानकारी ली गयी। महापौर ने कार्य जल्द पूर्ण करने कहा ताकि आयोजनो के लिए इसका पुनः उपयोग हो सके। कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता व समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। इसी कडी में गंजपारा अंग्रेजी माध्यम स्कूल जीर्णोद्धार कार्य का भी निरीक्षण किया गया। महापौर ने जानकारी दी कि पुरानी बिल्डिंग का मरम्मत कर स्मार्ट क्लास के तर्ज पर सभी सुविधाए उपलब्ध कराई जा रही है। कलेक्टर ने कार्य की सराहना कर कहा कि इसी प्रकार अन्य स्कूलो का भी जीर्णोद्धार कराया जाए।

दिग्विजय कालेज के जनसमस्या निवारण शिविर में 90 आवेदन मिले

- महापौर ने गोद भराई की रस्म पूरी कर, नशामुक्ति के लिए दिलाई शपथ
- 5 जून को बसंतपुर स्कूल में वार्ड नं. 41,42,43 व 46 के लिए शिविर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 4 जून। जनता की समस्या का समाधान करने तथा उन्हे शासन की योजनाओं का लाभ देने प्रदेश में सुशासन तिहार 2026 आयोजन के तहत निकाय क्षेत्र में जन समस्या निवारण के लिए वार्डो में शिविर लगाये जा रहे है। आज दिग्विजय कालेज में वार्ड नं. 37 व 38 के लिए आयोजित शिविर में महापौर श्री मधुसूदन यादव शामिल होकर वार्डवासियो की समस्या सुनी। शिविर में 90 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मांग के 68 एंव शिकायत के 22 अवेदन आए। प्राप्त आवेदनो का अतिशीघ्र निराकरण किया जाएगा।

दिग्विजय कालेज शिविर में महापौर श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री माननीय विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में नागरिको के पास जाकर उनकी समस्या का समाधान करने सुशासन तिहार के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जन समस्या निवारण शिविर लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं जाकर नागरिको से रूबरू हो रहे है। शिविर में मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदन लेकर नागरिको को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वार्ड स्तर पर आयोजित शिविर में प्राप्त आवेदनो का यथासंभव शीघ्रता से निराकरण किया जायेगा, ताकि वार्डवासियो की समस्या का समाधान हो सके।

आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने शिविर में विभागीय योजनाओ की जानकारी देकर सभी विभाग के अधिकारियो व कर्मचारियो से प्राप्त आवेदनो का यथासंभव प्राथमिकता तय कर निराकरण करने के निर्देश दिए। महापौर श्री यादव ने दोनो वार्ड के पार्षद सुश्री मणीभास्कर गुप्ता व श्री जैनम बैद तथा वरिष्ठ पार्षद श्री शिव वर्मा व श्री हेमंत शेखर यादव, पार्षद प्रतिनिधि श्री राजेश यादव व श्री संताष निर्मलकर के साथ स्टालो का निरीक्षण कर वार्डवासियो से रूबरू हुए। उन्होंने ड्राईविंग लायसेंस का वितरण कर उपस्थिति जनो को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलाई तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से गर्भवती महिलाओ की गोदभराई करा नवजात शिशुओ का अन्न प्राशन कराये। शिविर का विधिवत शुभारंभ वार्ड पार्षद सुश्री मणीभास्कर गुप्ता ने दीप प्रज्जवलन कर किया। शिविर में स्वास्थ्य एंव आयुष विभाग द्वारा वार्डवासियो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

दिनांक 5 जून शुक्रवार को वार्ड नं. 41,42,43 व 46 के लिए बल्देव प्रसाद मिश्र स्कूल बसंतुपर में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जायेगा। आज के शिविर में सी.एस.पी. श्री अलेकजेन्डर कीरो, कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खाण्डे व श्री यू.के.रामटेके सहित नगर निगम तथा जिला प्रशासन के विभिन्न विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

ओडिशा में वेदांता की 1 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार, हर 15 दिन में होगी समीक्षा

रायपुर / भुवनेश्वर 4 जून। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने लोक सेवा भवन में वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल से मुलाकात कर राज्य में प्रस्तावित 1 लाख करोड़ से अधिक की औद्योगिक परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन और उनसे जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष चर्चा की गई। वेदांता समूह की प्रस्तावित परियोजनाओं में रायगड़ा जिले में 60 लाख टन क्षमता की एल्युमीना रिफाइनरी, ढेंकानाल में 30 लाख टन क्षमता का एल्युमीनियम स्मेल्टर और 6000 मेगावाट क्षमता की पावर परियोजना शामिल हैं। इसके अलावा डाउनस्ट्रीम एल्युमीनियम पार्क और एकीकृत कोयला एवं बॉक्साइट उद्योग विकसित करने की भी योजना है। इन परियोजनाओं से राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि वेदांता का यह निवेश राज्य के युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करेगा तथा ओडिशा को वर्ष 2036 तक 500 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने परियोजनाओं की प्रगति की हर 15 दिन में समीक्षा करने और सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा करने का आश्वासन दिया। वहीं, अनिल अग्रवाल ने राज्य सरकार के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि वेदांता की आगामी परियोजनाएं ओडिशा की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव लाएंगी। इससे लाखों रोजगार के अवसर पैदा होंगे, स्थानीय उद्योगों को मजबूती मिलेगी और राज्य एक आधुनिक औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरेगा। बैठक में राज्य सरकार और वेदांता समूह के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

गौसेवा एवं गौसंरक्षण को आदर्श स्वरूप देने पर हुई सार्थक चर्चा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 4 जून। छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल एवं महात्यागी रामरूप दास के साथ निर्माणाधीन गौधाम का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए गौधाम को शीघ्र प्रारंभ करने तथा इसे गौसेवा एवं गौसंरक्षण का एक आदर्श केंद्र बनाने के संबंध में आवश्यक चर्चा की गई।

इस अवसर पर गौ संरक्षण, संवर्धन एवं गौसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। साथ ही क्षेत्र में गौधाम प्रारंभ होने से होने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक लाभों पर भी विस्तार से विचार किया गया। उपस्थितजनों

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल ने कहा कि गौसंरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण दायित्व है। राज्य शासन गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है और गौधामों की स्थापना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भाटापारा में निर्माणाधीन गौधाम पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्र के निराश्रित गौवंश को सुरक्षित आश्रय मिलेगा

महात्यागी महाराज रामरूप दास ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिक परंपरा की आधारशिला हैं। गौसेवा केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि यह सेवा, करुणा और संवेदनशीलता का प्रतीक है। नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि नगर पालिका द्वारा निर्माणाधीन गौधाम को शीघ्र प्रारंभ करने के लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा उद्देश्य इसे एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं आदर्श गौधाम के रूप में विकसित करना है, जहां गौवंश के संरक्षण, उपचार और देखभाल की समुचित व्यवस्था उपलब्ध हो।

उन्होंने कहा कि गौधाम प्रारंभ होने से क्षेत्र में गौसंरक्षण को मजबूती मिलेगी तथा सामाजिक एवं धार्मिक दृष्टि से भी इसका व्यापक सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। गौवंश की सेवा एवं संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए शासन, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों तथा समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर आरएसएस के रविन्द्र शर्मा,संतोष पांडेय सभापति मनीष मिश्रा,पार्षद संतीश साहू,राजेश साहू गौ सेवक अभिषेक मिश्रा, आशीष टोडर,संकेत उपाध्याय सभी गौसेवक एवं नागरिक मौजूद रहे। गौसंरक्षण एवं गौसेवा में जनसहभागिता बढ़ाने तथा गौधाम के प्रभावी संचालन से संबंधित उपस्थितजनों ने गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु निरंतर प्रयास करते रहने का संकल्प व्यक्त किया।

गांजा के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

- तिल्दा नेवरा शहर में जगह-जगह बिकती है गांजा पुड़िया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा- नेवरा 4 जून। पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित ऑपरेशन निश्चय के तहत अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में थाना तिल्दा नेवरा पुलिस को मुखबिर से विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि सासाहोली ओवरब्रिज के नीचे दो व्यक्ति मोटरसाइकिल क्रमांक ष्ट्त-22-, स्न-6686 से एक लाल-पीले रंग के थैले में गांजा रखकर बिक्री हेतु ग्राहक की तलाश कर रहे हैं।दोनों संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया।आरोपियों के कब्जे कुल 05 किलो 770 ग्राम मादक पदार्थ गांजा पाया गया। बरामद गांजा की अनुमानित कीमत लगभग 2,75,000/- आंकी गई। इसके अतिरिक्त आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त होंडा साइन मोटरसाइकिल क्रमांक ष्ट्त-22- A F-6686 तथा कार्बन कंपनी का एक कीपैड मोबाइल फोन भी जप्त किया गया।पुलिस द्वारा जप्त गांजा, मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन सहित कुल ?3,46,000/- मूल्य की संपत्ति जप्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध

थाना तिल्दा नेवरा में अपराध क्रमांक 238/2026, गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से माननीय न्यायालय के आदेशानुसार उन्हें न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल रायपुर भेजा गया।उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रायपुर, श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रशांत शुक्ला तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी वीरेंद्र चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में संपन्न की गई।थाना प्रभारी तिल्दा नेवरा निरीक्षक रमाकांत तिवारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम में उप निरीक्षक विकास देशमुख, आरक्षक महेन्द्र वर्मा एवं आरक्षक संदीप सिंह, किशोर शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।गिरफ्तार आरोपी हिमालय वर्मा उर्फ प्रिंस, पिता खिलावन वर्मा, ।शिव वर्मा, पिता रूपसिंह वर्मा, निवासी बलौदाबाजार को धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधि सम्मत कार्रवाई की गई।रायपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा ऑपरेशन निश्चय के तहत नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी है तथा ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

विकास कार्यों में नहीं होगी कोई कमी :राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा

रायपुर, 4 जून। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश की जनता की समस्याओं के त्वरित और मौके पर ही निराकरण के लिए 'सुशासन तिहार' के तहत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को ग्राम छेरकापुर में एक विशाल समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरी शंकर अग्रवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर के दौरान राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने क्षेत्र के विकास को गति देते हुए 55 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। साथ ही, विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत हितग्राहियों को सामग्री और प्रमाण पत्र वितरित किए। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य शासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

पं.दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यशाला में

विशेषज्ञों ने दिया प्रशिक्षण,14 विषयों पर किया गया मंथन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 4 जून। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत दो दिवसीय जिला कार्यशाला राजनांदगांव में सम्पन्न हुई। जिला मुख्यालय के ग्राम ठेकवा स्थित सचिता लॉन में आयोजित इस कार्यशाला में जिले के 220 अपेक्षित पदाधिकारी शामिल हुए। 14 सत्र में आयोजित इस कार्यशाला में प्रशिक्षण सत्र के दौरान वक्ताओं ने संगठन की कार्यपद्धति, विचारधारा, कार्यकर्ता दायित्व, जनसंपर्क और संगठन विस्तार से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। इस दौरान वक्ताओं ने अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षण देते हुए कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक कार्यों की बारीकियों से अवगत कराया। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा की नीतियों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। सभी वक्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा आम लोगों के बीच पार्टी की विचारधारा को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि प्रशिक्षित

कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक ताकत होते हैं। कार्यशाला का शुभारंभ मां भारती के सामने दिप प्रज्ज्वलन और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यशाला के प्रथम दिन मंगलवार को सात सत्र आयोजित हुए। इस दौरान प्रदर्शनी सत्र का उद्घाटन पूर्व महापौर शरद वर्मा ने किया। इसके बाद क्रमशः डॉ रमन सिंह जी, डॉ अवधेश जैन जी प्रदेश संयोजक प्रशिक्षण विभाग, सांसद संतोष पांडे जी, भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन जी, प्रमोद सिंह जी आईटी सेल सह संयोजक एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय जी ने प्रशिक्षण सत्र में अपने विचार रखें। समापन दिवस के मौके पर मंगलवार को पर्यटन विभाग के अध्यक्ष नीलू शर्मा जी, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव जी, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही जी, श्रीमती शताब्दी पाण्डेय प्रदेश भाजपा एवं प्रदेश भाजपा मंत्री जितेंद्र वर्मा जी ने अपने-अपने विषयों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया। समापन सत्र में प्रशिक्षणार्थियों की जिज्ञासा का समाधान करने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस सत्र में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह भी मौजूद रहे। कार्यशाला के समापन अवसर पर आभार जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने किया।

एआई पर फोकस, सोशल मीडिया पर जोर: बीजेपी अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए एआई पर फोकस कर रही है। वहीं विपक्ष के नैरेटिव से निपटने के लिए सोशल मीडिया की टीम पर जोर दे रही है। प्रशिक्षण में इसके लिए तकनीक की क्लास भी लगाई गई। ताकि संगठन की रीढ कहे जाने वाले कार्यकर्ता सोशल मीडिया के ट्रेंड और एआई टूल के साथ आए नए बदलाव को समझ और जान सकें।

डिप्टी सीएम बोले-भाव आपको संगठन में लाता है: समापन सत्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम विजय शर्मा जी ने कहा कि राष्ट्रवाद का भाव आपको संगठन में कार्य करने प्रेरणा देता है। उन्होंने उदबोधन के दौरान बंगाल के कार्यकर्ताओं के संघर्ष की गाथा सुनाई। वहीं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का बखान किया। डॉ रमन सिंह जी के कार्यकाल की पीडीएस योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना को प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदलने का काम किया। इस मौके पर गृह मंत्री विजय शर्मा जी ने नक्सलवाद के खात्मे की योजना और क्रियान्वयन की जानकारी दी। इस सफलता के लिए श्री शर्मा ने डॉ रमन सिंह जी की सरकार के सलवा जुडूम अभियान को आधार बताया और केंद्रीय गृह मंत्री के दृढ़ संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की दूरदृष्टी को श्रेय दिया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने करतल ध्वनि से डॉ रमन सिंह जी और विजय शर्मा का आभार जताया।

अंतिम व्यक्ति को लाभ प्रशिक्षण वर्ग की सार्थकता होगी- डॉ रमन: विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह जी ने समापन सत्र में अपने प्रेरणादायक उदबोधन दे कर प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने कहा कि 14 विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कार्यकर्ता अपने गुणों के साथ जनता की सेवा में जुटे और सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति पहुंचाने में अपना योगदान दें।

अवैध खनिज परिवहन मामले में 9 वाहन जब्त

रायपुर, 4 जून। अवैध खनिज परिवहन के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत खनिज विभाग ने अम्बिकापुर जिले के सीतापुर तहसील क्षेत्र में बिना अभिवहन पास खनिज परिवहन कर रहे 9 वाहनों को जब्त किया है। सभी वाहनों के खिलाफप्रकरण दर्ज कर उन्हें अग्रिम आदेश तक थाना सीतापुर की अभिरक्षा में रखा गया है। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को खनिज अमले ने सीतापुर तहसील के केसला घाट, मंगरेलगढ़, बिठुआ, लमगांव, ढेलसरा, राधापुर और प्रतापगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में वाहनों की सघन जांच की। जांच के दौरान नौ ट्रैक्टर-वाहन बिना वैध अभिवहन पास के खनिज परिवहन करते पाए गए। विभाग ने सभी 9 ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया हैं ।

पद पर हैं और विनम्र नहीं है यही समस्या है

सरकारी पद पर है, जनप्रतिनिधि हैं,पार्षद है,विधायक हैं, सांसद है, मंत्री है किसी भी पद पर हैं तो आपसे यही अपेक्षा की जाती है कि आप विनम्र रहें। आदमी जितने बड़े पद पर हो, उसे उतना ही ज्यादा विनम्र होना चाहिए। वह जितना विनम्र होता है जनता को उतना ही अ्चछा लगता है, जनता उसे उतना ही अच्छा कहती है। जो जितना अहंकार का प्रदर्शन अपने हावभाव व भाषा के जरिए करता है उसे जनता पसंद नहीं करती है और जनता सरकार से यह अपेक्षा करती है कि ऐसे व्यक्ति को सजा दी जाए जिसका काम जनता की सेवा करना है, वह जनता से अभद्रता कर रहा है। सुशासन तिहार के शुरू होने के पहले सीएम साय ने साफ कर दिया था कि सुशासन तिहार के दौरान जनता के साथ अभद्रता सहन नहीं की जाएगी। यह राज्य के तमाम अफसरों व कर्मियों के लिए साफ संदेश था कि सुशासन तिहार जनता उसके पास जाकर सेवा करने का मौका है ऐसे मौके पर जनता को नहीं लगना चाहिए कि कोई सेवक नहीं शासक है। सुशासन तिहार चल रहा है तो चाहे व जनप्रतिनिधि हो या शासकीय अफसर दोनों को यह याद रखने की जरूरत है कि दोनों अगर किसी पद पर हैं तो उनका मुख्य काम जनता की सेवा करना है।वह जनता से बुरा व्यवहार करेंगे तो उनको उसकी सजा मिलेगी।दुर्ग जनपद पंचायत के सीईओ रूपेश कुमार पांडेय भी पद पर है तो उनका काम जनता की सेवा करना है, लोगों से बदतमीजी करना नहीं है।उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान ही विधायक के सामने भाजपा नेताओं व लोगों एक तो बहस की उस पर यह तक कह दिया कि जो करना है कर लो। इस पर उनके खिलाफ कार्रवाई तो होनी ही थी।आज का दौर मोबाइल को है तो कोई न कोई हर घटना का वीडियो बना लेता है यानी सबूत तक रहता है कि अधिकारी ने कैसे बदतमीजी की है।इसके बाद भाजपा नेताओं ने उनको हटाने के लिए मुहिम शुरू कर दी,उनको नहीं हटाया जाता तो भाजपा नेताओं में नाराजगी फैलती इसलिए सीएम साय के निर्देश पर निलंबित कर दिया गया है। सुशासन के दौरान सीएम साय ने जनप्रतिनिधि व शासकीय कर्मचारियों को साफ संदेश दे दिया है कि जनता के साथ बुरा व्यवहार सहन नहीं किया जाएगा। वह सीएम है इसलिए उनको तो सभी के साथ समान व्यवहार करना होता है लेकिन चाहे वह कोई शासकयी कर्मी हो या अफसर हो किसी पद पर रहने के कारण अपना अहंकार होता है कि मैं तो सीईओ हूं, मैं तो नायब तहसीलदार हूं। कोई मुझसे ऐसे कैसे पेश आ सकता है।इसी तरह जनप्रतिनिधि का अपना अहंकार होता है कि मैं तो विधायक हूं, मैं तो सांसद हूं कोई अधिकारी मेरा कहना मानने से कैसे मना कर सकता है।जब एक आदमी अहंकार दिखाता है तो दूसरे आदमी का भी अहंकार जाग जाता है और दोनों के अहंकार के कारण विवाद की स्थिति बनती है। अफसर को लगता है कि विधायक ने गलती की है तो विधायक को लगता है कि सारी गलती तो अफसर की है। कहीं अफसर की गलती होती है तो उसकी सजा जैसे अफसर को मिलती है, उसी तरह जब विधायक व सांसद की गलती रहती है तो उसे भी सजा मिलनी चाहिए। अगर उसने कानून गलत किया है तो कानून के अनुसार उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सरगुजा जिले के राजपुर उपतहसील के नायब तहसीलदार तुषार मानिक के साथ मारपीट का विधायक रामकुमार टोप्पो पर लगाया गया है।छग कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने नायब तहसीलदार के साथ मारपीट के मामले में विधायक की गिरफ्तारी की मांग की है और आंदोलन शुरू कर दिया है। अब मामला बिगड़ने के बाद विधायक कह रहे हैं कि वह खुद गिरफ्तारी देने को तैयार है,अधिकारी काम पर लौट आएं। आप किसी भी पद पर है तो कानून हाथ में लेने का अधिकार विधायक को नहीं है। यह बात विधायक को पहले समझ आनी चाहिए। मामला बिगड़ने के बाद समझदारी दिखाने का कोई मतलब नहीं होता है। एक महीने का सुशासन तिहार शुरू होने के पहले ही सीएम साय ने साफ कर दिया था कि इस दौरान चाहे वह विधायक हो, कोई भाजपा पदाधिकारी हो, कोई अफसर हो सबको जनता के साथ तमीज से पेश आना है क्योंकि इस एक माह के दौरान जनता को नहीं लगना चाहिए कि अफसर हो या विधायक हों वह जनता के सेवक नहीं है, जनता को एक माह के दौरान यही लगना चाहिए कि विधायक भी उनकी सेवा के लिए है और सासंद विधायक और तमाम मंत्री भी उनकी सेवा के लिए है।सीएम साय चाहे विधायक हो या अफसर मे यही सेवा भाव पैदा करने के लिए सुशासन तिहार एक माह चलाने का फैसला किया और इस दौरान जनता को यह एहसास दिलाने का प्रयास किया है कि सब जनता की सेवा के लिए हैं लेकिन जब भी कोई सीईओ या विधायक अपना अहंकार दिखाता है तो सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। जनता के सामने हकीकत आ जाती है कि इस प्रदेश के ज्यादातर विधायक व अफसर कैसे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) विशेष

जलवायु संकट: प्रकृति का पलटवार

हृदयमोहन

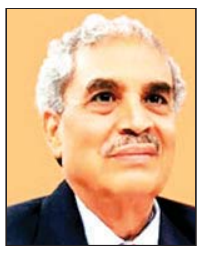

धरती कराह रही है। यह किसी कवि की कल्पना नहीं, बल्कि उस कठोर वास्तविकता की आवाज़ है जिसे आज पूरी दुनिया — और हमारा छत्तीसगढ़ भी — महसूस कर रहा है। कहीं झुलसाती गर्मी है, कहीं असमय बाढ़, कहीं बादल फट रहे हैं तो कहीं जंगल आग की लपटों में घिर रहे हैं। देशमेंतापमानहरसालनएरिकॉर्डबनारहाहै, हिमालय के ग्लेशियर तेज़ी से सिकुड़ रहे हैं, दिल्ली की हवा साँस लेने लायक नहीं बची। और रायपुर? — अप्रैल की शुरुआत से ही ऐसी लू चलती है जो कुछ साल पहले नौतपामें आती थी। कभी समय पर दस्तक देने वाला मानसून अब अनिश्चित हो चला है, और कभी हरे-भरे रहने वाले जलाशय गर्मी में दम हीतोड़ने लगे हैं। यह सब अचानक नहीं हुआ। यह उस लंबे व्यवहार का दुष्परिणाम है जो मनुष्य ने दशकों से प्रकृति के साथ किया है।

प्रकृति ने कभी भेदभाव नहीं किया। उसने हमें नदियाँ दीं, जंगल दिए, स्वच्छ हवा दी, अन्न दिया और जीवन दिया। लेकिन विकास की अंधी दौड़ में मनुष्य ने प्रकृति को केवल एक संसाधन समझ लिया — जिसे काटा जा सकता है, खोदा जा सकता है, जलाया जा सकता है। औद्योगिक क्रांति के बाद से कोयले, पेट्रोलियम और जंगलों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के प्राकृतिक संतुलन को गहराई से हिला दिया है। आज वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर पिछले तीस लाख वर्षों के उच्चतम बिंदु के करीब पहुँच चुका है और पृथ्वी का औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक काल से डेढ़ डिग्री सेल्सियस ऊपर जाने की दहलीज़ पर खड़ा है। यह संख्या छोटी लग सकती है — लेकिन इसके परिणाम विनाशकारी हैं।

छत्तीसगढ़ इस दुविधा का शायद सबसे जीवंत उदाहरण है। खनिज संपदा से भरपूर इस प्रदेश ने कोयले, इस्पात और ऊर्जा उत्पादन के बल पर औद्योगिक पहचान बनाई, लेकिन इसकी कीमत पर्यावरण ने चुकाई। खदानों ने जंगल निगले, नदियों पर बढ़ते दबाव ने उनका स्वभाव बदला और शहरी फैलाव ने हरित आवरण को सिकोड़ा। धान का कटोरा कहलाने वाले इस राज्य में लाखों किसान-परिवार अब मौसम की बेरुखी से जूझ रहे हैं — कभी बेवक्त बारिश फसल डुबो देती है, कभी सूखे की मार अनाज नहीं पकने देती। बस्तर के आदिवासी, जो सदियों से जंगल के साथ जीते आए, अब महसूस कर रहे हैं कि वह जंगल सिकुड़ रहा है, उसका स्वभाव बदल रहा है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यही है — सबसे ज़्यादा मार उन पर पड़ती है जिन्होंने सबसे कम नुकसान पहुँचाया।

जब उत्तराखंड में बादल फटते हैं और केदारनाथ जैसी त्रासदियाँ होती हैं, तो हम उन्हें "प्राकृतिक आपदा" कह कर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन जब पहाड़ों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, नदियों की धारा रोकी जाती है, वनों का विनाश होता है — तो ये आपदाएँ केवल प्राकृतिक नहीं रह जातीं। वे मानव-निर्मित भी हैं। कभी स्थिरता के प्रतीक रहे पहाड़ आज मानवीय हस्तक्षेप से घायल दिखाई देते हैं। यही बात हमारे मैदानों, नदियों और जंगलों पर भी लागू होती है। महानदी का घटता जलस्तर, हसदेव अरण्य पर मंडराते खतरे — ये संकेत हैं कि प्रकृति की सहनशक्ति की एक सीमा होती है।

गांधीजी ने कहा था — "पृथ्वी हमारी आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है, लेकिन हमारे लालच को नहीं।" आज यह वाक्य पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक लगता है। विश्व पर्यावरण दिवस हर साल आता है — नारे लगते हैं, पौधे रोपे जाते हैं, सेमिनारों में तालियाँ बजती हैं — और फिर सब कुछ वैसा ही चलता रहता है। इस बार ज़रूरत है कि इस दिन को एक रस्म नहीं, बल्कि आत्म-परीक्षण का अवसर माना जाए।

प्रकृति का यह "पलटवार" वास्तव में प्रतिशोध नहीं, चेतावनी है। और इस चेतावनी का जवाब हर स्तर पर देना होगा। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है — सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा में हम विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो रहे हैं, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसी पहल हमारी दूरदर्शिता का प्रमाण है। लेकिन जब तक कोयले पर निर्भरता नहीं घटती, वनों की कटाई नहीं रुकती और शहरी नियोजन में पर्यावरण को प्राथमिकता नहीं मिलती — येप्रयासअधूरेहैं। नागरिकों को भी अपने जनप्रतिनिधियों से पर्यावरणीय नीतियों पर जवाब माँगना होगा और वोट करते समय पर्यावरण को एजेंडे पर रखना होगा।

व्यक्तिगत स्तर पर भी हर चुनाव मायने रखता है। प्लेट में मौसमी और स्थानीय भोजन, सार्वजनिक परिवहन की आदत, बिजली की सोच-समझकर खपत और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से दूरी — ये छोटे कदम मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। लेकिन असली बदलाव तब आएगा जब हम प्रकृति को बाज़ार की तरह नहीं, माँ की तरह देखेंगे। जब नदियाँ केवल जल-स्रोत नहीं, जीवनरेखाएँ होंगी। जब जंगल केवल लकड़ी नहीं, साँस बनेंगे।

1972 में स्टॉकहोम में पहला विश्व पर्यावरण सम्मेलन हुआ था। तब से हर दशक में संकट गहरा होता गया और समझौते कमज़ोर पड़ते गए। पेरिस हो या ग्लासगो — ये सब तब तक कागज़ के टुकड़े हैं जब तक उन पर ईमानदारी से अमल नहीं होता। प्रकृति के पास कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। वह किसी देश, धर्म या विचारधारा की परवाह नहीं करती। जब वह जवाब देती है, तो सब पर एक साथ देती है।

हमारे पास अभी भी समय है — लेकिन बहुत कम। यह समय नारों का नहीं, निर्णयों का है। यह समय वादों का नहीं, कार्रवाई का है। धरती हमारी माँ है। और एक माँ कितना भी सहन करे, उसकी सहनशक्ति की भी एक सीमा होती है। उस सीमा को पार मत होने दीजिए।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। बॉस आपको कोई नयी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं जिसे आप पूरी लग्न और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा। इस राशि के जो लोग खेल जगत से जुड़े हैं वे आज अपनी प्रैक्टिस में व्यस्त रहेंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। समाज हित में किये गये कामों की तारीफ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। महिलाए अपने जीवनसाथी को आज कुछ मीठा बना कर खिला सकती है, दोनों के बीच रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए योग की रूटीन अपनाएं, फायदा मिलेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अधिकारियों का दिल जीतने में कामयाब भी होंगे। आज के दिन आप अपनी उर्जा को सही काम में लगाएं। जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें किसी संस्था से जुड़कर नाम कमाने का मौका मिलेगा। आज आपको किसी परिजन की तरफ से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी से व समय से पूरा हो जाएगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज किसी प्रोजेक्ट में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो सफलता दिलाने में मददगार साबित होगा। आज कुछ ऐसे विचार आ सकते हैं जो वाकई जबरदस्त और सृजनात्मक होंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बच जायेंगे। आज अपने काम को सामान्य गति से पूरा करेंगे। किसी नए काम की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो दिन शुभ है आप कर सकते हैं आपको काम में सफलता मिलने के अच्छे योग बनते दिख रहे हैं।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। आज परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। आज आप मित्रों के साथ कोई निवेश संबंधी योजना बनाएंगे, जिसमें आपको बहुत ही सोच विचार कर आगे बढना होगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज घर में शुभ समाचार मिलने की सम्भावना बन रही है, दांपत्य जीवन का सुख मिलेगा। धार्मिक कार्य में आपकी इच्छा बढ़ेगी, आज आप सत्संग करवा सकते हैं, घर में उत्सव का माहौल होगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताज़ा होंगी। आमोद-प्रमोद में आपका ज्यादा मन लगेगा। अर्थराईटिस की परेशानी से जुड़े लोगों को आज राहत मिलेगी। आज परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा।

धनु राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा। आज आपके बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकता है, इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। किसी संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में न करें। राजनीतिक से जुड़े लोगों को बड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति का मार्ग प्रसस्त होगा। आज किसी पुरानी समस्या को दूर करने के लिए योजनाएं बनायेंगे।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए निश्चित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी योजनाओं को गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। आज आपको बड़ों का साथ व सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा। आज आपकी शिक्षा में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा, आपको ख़ुशी होगी। आज आप किसी मांगलिक कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप एक से अधिक स्त्रोतों से आय प्राप्त करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। आज निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी। आज किसी अजनबी पर सोच समझकर भरोसा करें। विद्यार्थियों को किसी टॉपिक को समझने में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आप आगे बढ़ेंगे। आज आपके दांपत्य जीवन में खुशहाली बढ़ेगी।

मीन राशिः आज आपका दिन आपके लिए परिवार के लिए खुशियां लाने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए। जिस व्यक्ति की आपने कभी मदद की थी वह आज आपके काम आएगा। शिक्षकों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

सू- दोकू क्र.059

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र058 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

शब्द सामर्थ्य -059

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

1		3	■	■	4		5	■
	■	6	7			■	8	9
10				■		■	11	
	■	■	12	13		14		■
15	16		■		■		■	17
■		■	18		19		■	
20				■	21		■	
22		■		■		■	23	
24		■	■	■	25			■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 058 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

ललित गर्ग

5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष

2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है।

संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

एक नजर

5 जुलाई से श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ महोत्सव

जगदलपुर, 4 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ महोत्सव श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जगदलपुर में परम पूज्य आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज में मंगल आशीर्वाद से 05 जून 2026 से 12 जून 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। महायज्ञ स्नेह एवं सानिध्य ब्र .अंकित भईया जी जबलपुर, ब्र. डम्पू भईया जी सिलवानी ,ब्र.दीपक भईया जी सिलवानी एवं सपना दीदी जी जगदलपुर, का सानिध्य प्राप्त होगा। यह पावन महोत्सव समस्त प्राणीमात्र के सुख, शांति, समृद्धि, आरोग्यता एवं विश्व कल्याण की मंगल भावना को समर्पित है। संघ के अध्यक्ष अनूप जैन ने इस पुण्यप्रद अवसर पर आप सभी धर्मानुरागी श्रद्धालुओं से विनम्र निवेदन किया है कि सपरिवार उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें तथा अपनी सहभागिता से इस आयोजन को सफल एवं भव्य बनाने में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करें।

7 वीं राष्ट्रीय यूथ म्यू थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में बस्तर के युवराज सिंह ने दिलाया छत्तीसगढ़ को गोल्ड

जगदलपुर, 4 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के तत्वावधान में म्यू थाई एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड द्वारा यूथ राष्ट्रीय म्यू थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन 01 से 04 जून 2026 तक इन्दिरा गाँधी इंटरनेशनल स्टेडियम हल्द्वानी (उत्तराखंड) में किया जा रहा है।. छ.ग. एमेच्योर म्यू थाई बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष लखन कुमार साहू ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि उक्त राष्ट्रीय आयोजन में भाग लेने हेतू प्रदेश म्यूथाई दल में कुल 27 यूथ म्यू थाई खिलाड़ियों और 09 अधिकारियों का दल प्रतियोगिता में भाग ले रहे है । विगत माह दल्ली राजहरा जिला बालोद में आयोजित 25वी राज्य स्तरीय म्यूथाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर स्थान बनाने वाले 80 + वजन वर्ग में बस्तर के खिलाड़ी युवराज सिंह का चयन यूथ राष्ट्रीय म्यू थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिये किया गया उक्त प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाईनल में केरल के खिलाड़ी महादेवन डी एम को दुसरे राउंड में नॉक आऊट कर छत्तीसगढ़ को 80+ कटेगरी में युवराज ने गोल्ड मेडल अपने नाम कर छत्तीसगढ़ व बस्तर का नाम रौशन किया युवराज की उपलब्धि के लिये माता पिता के साथ खेल प्रेमियों ने शुभकामनाए के साथ बधाई दी है।

कांकेर के पहाड़ी क्षेत्र से 3-3 किलो वजनी तीन टिफिन बम बरामद

कांकेर, 4 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सलवाद के खात्में के बाद लगातार चलाये जा रहे अभियान में जिला पुलिस, सीमा सुरक्षा बल और बम निरोधक दस्ता टीम ने संयुक्त कार्रवाई के दौरान आज बुधवार को थाना छोटेबेठिया के ग्राम हिदुर के पहाड़ी क्षेत्र से 3-3 किलोग्राम वजनी तीन टिफिन बम बरामद किए गये। बरामद तीनों टिफिन बमों को मौके पर ही सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। कांकेर एसपी निखिल कुमार राखेचा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कांकेर पुलिस एवं सुरक्षाबलों के द्वारा नक्सल प्रभावित रहे सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार संयुक्त अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। सघन तलाशी अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा।

बुनियादी सुविधाओं के लिए भटक रही जनता धरातल पर चरमराई प्रशासनिक व्यवस्था: रेखचंद

जगदलपुर,4 जून। जगदलपुर विधानसभा के पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा मनाए जा रहे 'सुशासन तिहार' पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत को छुपाने और अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने के लिए भाजपा सरकार इस तरह के तड़क-भड़क वाले आयोजनों का सहारा ले रही है। आज धरातल पर प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और आम जनता पानी, बिजली, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने सीधे तौर पर सरकार की वित्तीय नीतियों को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि ग्रामीण विकास की रीढ़ माने जाने वाली पंचायतों को 16वें वित्त आयोग की राशि आज पर्यंत तक जारी नहीं की गई है।राशि के अभाव में ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण और विकास कार्य पूरी तरह से प्रभावित हैं। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि बुनियादी काम न करा पाने के कारण जनता के प्रति जवाबदेह सरपंच और जनपद सदस्य भारी मानसिक दबाव में हैं और लगातार अपने पदों से इस्तीफे दे रहे हैं।

श्रीभूवेश्वर महादेव व श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में हरिहर महायज्ञ 5 जून से

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 4 जून। बस्तर जिला मुख्यालय के निगम क्षेत्र अंतर्गत प्रवीर वार्ड पनारा पारा स्थित श्रीभूवेश्वर महादेव मंदिर एवं श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में हरिहर महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। पुरुषोत्तम मास (अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष) के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले इस धार्मिक आयोजन में नौ दिनों तक वैदिक अनुष्ठान, पूजन, अर्चन, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में सनातनी वेशभूषा में शामिल होकर धर्म और संस्कृति के इस महोत्सव का हिस्सा बनने की अपील की है। महायज्ञ की शुरुआत 5 जून को पंचमी तिथि पर शाम 6 बजे अंकुरारोपण के साथ होगी।

वैदिक परंपरा के अनुसार यह अनुष्ठान किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन की मंगल शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इसके बाद 8 जून को प्रातः 6 बजे काया शुद्धि का आयोजन होगा, जिसमें आध्यात्मिक शुद्धि और धार्मिक संकल्प के साथ यज्ञीय कार्यक्रमों को गति दी जाएगी। इसी दिन सुबह 9 बजे भव्य जल यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। 9 जून को नवमी तिथि पर मंडप पूजन किया जाएगा। इसके बाद महायज्ञ का सबसे महत्वपूर्ण चरण शुरू होगा। 10 जून को दशमी तिथि पर भगवान शिव को सवा लाख बेलपत्र अर्पित कर लक्ष शिवर्चन किया जाएगा।

वहीं 11 जून को एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु को सवा लाख तुलसी दल समर्पित कर लक्ष तुलसी अर्चन का आयोजन होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन विशेष अनुष्ठानों का अत्यंत पुण्यदायी महत्व माना जाता है और यह समस्त लोक कल्याण की कामना से किए जाते हैं। 12 जून को द्वादशी तिथि पर पूर्णाहुति एवं अयोध्यार्चन का आयोजन होगा। इसी दिन 108 ब्राह्मणों को भोजन कराया जाएगा। वैदिक परंपरा में ब्राह्मण भोजन को यज्ञ की पूर्णता और पुण्य फल की प्राप्ति का महत्वपूर्ण अंग माना गया है। 5 जून को अंकुरारोपण से शुरुआत होगी। 8 जून को कायाशुद्धि और जल यात्रा, 9 जून को मंडप पूजन, 10 जून को सवा लाख बेलपत्रों से लक्ष शिवर्चन तथा 11 जून को सवा लाख तुलसी दल से लक्ष तुलसी अर्चन किया जाएगा। 12 जून को पूर्णाहुति, अयोध्यार्चन और 108 ब्राह्मण भोजन के साथ अखंड श्रीहरिनाम महामंत्र कीर्तन प्रारंभ होगा, जो 13 जून तक जारी रहेगा।

किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता: दिनेश कश्यप

■ बस्तर संभाग में 46 हजार मीट्रिक टन से अधिक उर्वरक उपलब्ध, 34 हजार से अधिक किसानों को मिलेगा कृषि ऋण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

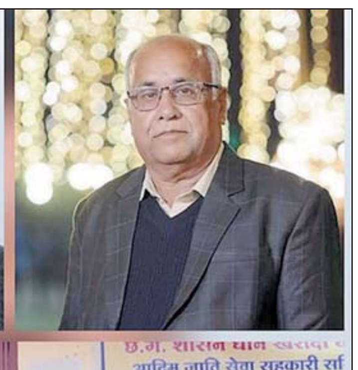

जगदलपुर, 4 जून। छत्तीसगढ़ शासन कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा खरीफ 2026 के लिए सहकारी क्षेत्र में उर्वरक वितरण संबंधी नवीन दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों के अनुरूप बस्तर संभाग के जिलों में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद का भण्डारण सुनिश्चित किया गया है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर के अध्यक्ष दिनेश कश्यप एवं उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा ने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए समितियों के माध्यम से उर्वरक वितरण की समुचित व्यवस्था की गई है।

उन्होने बताया कि राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार खरीफ 2025 में किसानों को वितरित यूरिया की 80 प्रतिशत तथा डीएपी की 60 प्रतिशत मात्रा के आधार पर खरीफ 2026 में उर्वरक वितरण किया जाएगा। यूरिया की शेष 20 प्रतिशत मात्रा आवश्यकता अनुसार पारंपरिक यूरिया अथवा नैनो यूरिया के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि डीएपी की शेष मात्रा के लिए नैनो डीएपी एवं अन्य वैकल्पिक उर्वरकों का उपयोग किया जाएगा। शासन का उद्देश्य संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देना, खेती की लागत कम करना तथा मृदा की उर्वरा शक्ति का संरक्षण करना है।

बस्तर संभाग में 01 अप्रैल 2026 से 06 जून 2026 की स्थिति में उर्वरकों का व्यापक भण्डारण किया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार संभाग के दंतेवाड़ा जिला जैविक घोषित होने से रासायनिक खाद का उपयोग नहीं किया जाता तथा शेष छह जिलों बस्तर, कोंडागांव, नारायणपुर, कांकेर, सुकमा एवं बीजापुर में कुल 55,366.98 मीट्रिक टन उर्वरकों का भण्डारण किया गया है। इनमें से 8,941.57 मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किसानों को किया जा चुका है तथा वर्तमान में 46,425.41 मीट्रिक टन उर्वरक शेष उपलब्ध है, जो आगामी खरीफसीजन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त माना जा रहा है। संभाग स्तर पर खरीफ 2026 के दौरान किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 34,839 किसानों को लगभग 1300 करोड़ रुपये ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से अब तक 230 करोड़ 31 लाख रुपये से अधिक राशि का ऋण किसानों को वितरित किया जा चुका है। यह प्रक्रिया लगातार जारी है, जिससे किसानों को समय पर कृषि कार्यों के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध हो रही है और खरीफसीजन की तैयारियों को गति मिली है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर के अध्यक्ष दिनेश कश्यप ने कहा कि शासन के नवीन निर्देशों के अनुरूप किसानों को समय पर एवं पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। समितियों में लगातार भण्डारण एवं वितरण की निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी क्षेत्र में उर्वरक की कमी की स्थिति उत्पन्न न हो। उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा ने बताया कि किसानों को नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। इससे संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा मिलेगा तथा खेती की लागत में कमी आएगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे निर्धारित मात्रा एवं वैज्ञानिक सलाह के अनुसार उर्वरकों का उपयोग करें।

उन्हेने कहा कि बस्तर संभाग में वर्तमान उपलब्धता एवं सतत आपूर्ति व्यवस्था को देखते हुए किसानों को खरीफ सीजन में उर्वरक की कमी की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सहकारी समितियों के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है और शासन के निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

बस्तर और आदिवासी अंचल का विकास साय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता:अनवर खान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 4 जून। छत्तीसगढ़ प्रदेश मदरसा बोर्ड के पूर्व सदस्य अनवर खान ने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर कहा कि प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है आम जनता समस्याओं से जूझ रही है सरकार बड़े-बड़े दावे कर रही है मगर प्रदेश की जनता को जमीनी स्तर पर बुनियादी सुविधाओं के अलावा अपनी जरूरतों की आपूर्ति के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। पंचायत से सुशासन त्यौहार के लिए अवैध वसूली की जा रही है शहरी सहित पंचायत के विकास कार्य पूरी तरह ढप पड़े हुए हैं कई पंचायत के जनप्रतिनिधि संसाधनों एवं बजट की कमी से चिंतित व परेशान है प्रदेश भर में पंचायत व्यवस्था कमजोर हो रही है जिससे ग्रामीण विकास प्रभावित हो रहा है।* उन्होंने कहा सुशासन त्योहार से सरपंच परेशान व हताश होकर सामूहिक इस्तीफा दे रहे हैं इस पर सरकार की कोई प्रतिक्रिया नहीं है सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए सुशासन त्योहारों के माध्यम से ध्यान भटकने का कार्य कर रही है,राज्य सरकार विशेष पिछड़ी जनजातियों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए विशेष योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने में पूरी तरह विफल साबित हुई।अनवर खान के बताया कि सीतापुर के नायब तहसीलदार तुषार मानिक के साथ हुई मारपीट घटना के विरोध में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार से तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने भी मियादी हड़ताल शुरू कर दी है, अनिश्चितकालीन कलमबंद, कामबंद से राजस्व व शासकीय कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रही है। एक तरफ छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार सुशासन त्यौहार मना रही है और दूसरी तरफ भाजपा सरकार की तानाशाही रवैये के खिलाफ प्रशासनिक अधिकारियों का कलम बंद हड़ताल जारी है, सरकार की कार्य प्रणाली पर उठ रहे है सवाल एक तरफ सुशासन का ढकोसला त्यौहार और दूसरी तरफ प्रशासनिक अधिकारी दुराचार के शिकार हो रहे है।

स्वास्थ्य विभाग में अटैचमेंट का खेल जारी नेत्र विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर 4 जून। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम में कर्मचारियों के अटैचमेंट को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। नेत्र विभाग में चार नेत्र सहायक अधिकारियों को अटैच कर नेत्र ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में तैनात किया गया है, जबकि जिले की नेत्र ओपीडी का संचालन 12 नेत्र सहायक अधिकारियों के माध्यम से किया जा रहा है।विभागीय सूत्रों और जानकारों का कहना है कि यदि कार्यभार अधिक होने के कारण चार अतिरिक्त नेत्र सहायक अधिकारियों की ड्यूटी ओटी में लगाई गई है, तो उनकी सेवाएं नेत्र ओपीडी में क्यों नहीं ली जा रही हैं। इस व्यवस्था को लेकर विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं तथा संभावित अनियमितताओं को लेकर चर्चाओं का दौर भी तेज हो गया है।

सूत्रों के अनुसार, नेत्र ओटी में अटैच कुछ नेत्र सहायक अधिकारी निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होते हैं। आरोप है कि कुछ कर्मचारी सुबह 10:30 बजे के बाद ड्यूटी पर पहुंचते हैं और करीब दो से ढाई घंटे कार्य करने के बाद चले जाते हैं। वहीं, पिछले लगभग तीन वर्षों से संध्याकालीन ड्यूटी (शाम 4 बजे से 6 बजे) के दौरान भी उनकी अनुपस्थिति की शिकायतें सामने आती रही हैं।

गौरतलब है कि शासन द्वारा कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए आधार आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू की गई है, ताकि कर्मचारी समय पर अपने कार्यस्थल पर उपस्थित रहकर दायित्वों का निर्वहन करें। इसके बावजूद नेत्र विभाग में अटैच कर्मचारियों द्वारा ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरतने और शासन के निर्देशों की अनदेखी किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। विभाग के कुछ कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया है कि अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. सरिता थॉमस विभागीय कार्यों के प्रभावी संचालन में अपेक्षित सफलता नहीं दिखा पा रही हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि विभाग में अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है तथा पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण व्यवहार के कारण कई कर्मचारी मानसिक रूप से परेशान और प्रताड़ित महसूस कर रहे हैं।

कर्मचारियों का कहना है कि नोडल अधिकारी होने के नाते विभागीय व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करना, कार्यों की निगरानी करना तथा कर्मचारियों के बीच समन्वय बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी है। हालांकि, आरोपों के चलते विभाग की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक व्यवस्था पर कई प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं।

केंद्रीय जेल में एक महिला बंदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 4 जून। बस्तर जिला मुख्यालय के केंद्रीय जेल में एक महिला बंदी दरभा विकासखंड क्षेत्र के ग्राम चितापुर निवासी रयमती बघेल ने अपनी चुन्नी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला बंदी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने जेल प्रशासन की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा हे कि रयमती बघेल पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से काफी परेशान थी, उसके तीन छोटे बच्चे हैं। जेल में बंद रहने के दौरान उसका पति और अन्य परिजन उससे मिलने भी नहीं आ रहे थे। परिजनों से दूरी और बच्चों की चिंता के कारण वह गहरे मानसिक तनाव में थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी तनाव और अकेलेपन के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया होगा।

मिली जानकारी के अनुसार रयमती बघेल करीब दो महीने पहले अपने ही चाचा की हत्या के आरोप में न्यायिक हिरासत में केंद्रीय जेल भेजी गई थी। बताया जा रहा है कि मृतका का चाचा लंबे समय से उसके साथ छेड़छाड़ करता था। लगातार प्रताड़ना और मानसिक तनाव से परेशान होकर उसने आवेश में आकर अपने चाचा की हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था।

जगदलपुर कोतवाली थाना प्रभारी लीलाधर राठौर का कहना है कि मृतक महिला बंदी रयमती के परिजन उससे मिलने भी नहीं आ रहे थे। परिजनों से दूरी और बच्चों की चिंता के कारण वह गहरे मानसिक तनाव में होने की जानकारी मिली है। उन्होने कहा कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जेल प्रशासन से भी आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है। जांच रिपोर्ट और पोस्टमार्टम के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बस्तर के किसान पाकलूराम ने नैनो डीएपी व यूरिया के संतुलित उपयोग से बढ़ाया उत्पादन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर,4 जून। राज्य सरकार की कृषक उन्नति योजना किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसका जीवंत उदाहरण तोकापाल विकासखंड के ग्राम सिंगनपुर निवासी किसान पाकलूराम मौर्य हैं, जिन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों और शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर अपनी खेती को लाभकारी व्यवसाय में बदल दिया है। पाकलू मौर्य समर्थन मूल्य धान विक्रय कर अपनी फसल ऋण को भी हर साल चुकता कर देते हैं। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से प्राप्त होने वाली सहायता राशि का भी उपयोग खेती-किसानी के लिए करते हैं। पाकलूराम ने बताया कि कृषि विभाग के मैदानी अमले की सलाह के अनुसार वह उर्वरकों का संतुलित उपयोग करते हैं। विशेष रूप से नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के प्रयोग से उनकी फसल की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पाकलूराम मौर्य ने बताया कि वह अपनी साढ़े चार एकड़ कृषि भूमि पर पिछले दो वर्षों से धान और मक्का की उन्नत खेती कर रहे हैं। शासन की योजनाओं का लाभ और कृषि विभाग के मार्गदर्शन से उनकी आय में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे उनका परिवार आर्थिक रूप से सशक्त और खुशहाल हुआ है। उन्होंने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से मिलने वाले ब्याजमुक्त फसल ऋण ने खेती-किसानी को आसान बनाया है। समय पर ऋण उपलब्ध होने से वह खेती के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था कर पाते हैं और बेहतर तरीके से कृषि कार्य कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप वह प्रतिवर्ष लगभग दो से ढाई लाख रुपये मूल्य का धान समर्थन मूल्य पर विक्रय करते हैं। आधुनिक तकनीकों को अपनाने से खेती की लागत में कमी आई है और उत्पादन बढ़ा है। उन्नत खेती से होने वाली आय ने उनके परिवार के जीवन स्तर को बेहतर बनाया है। उन्होंने बताया कि खेती से प्राप्त आमदनी के बल पर वह अपनी पुत्री हेमवती मौर्य को जगदलपुर कॉलेज में उच्च शिक्षा दिला रहे हैं। साथ ही परिवार की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति भी सहजता से कर पा रहे हैं।

बस्तर सामाजिक जन विकास समिति ने जनसेवा गतिविधियों के साथ मनाया 26वां स्थापना दिवस

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर,4 जून। बस्तर सामाजिक जन विकास समिति द्वारा विकासखंड जगदलपुर के ग्राम पंचायत नेतानार अंतर्गत रंधारीरास में संस्था का 26वां स्थापना दिवस आज बुधवार को जनसेवा गतिविधियों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम संस्था के सचिव डॉ. सुशील कुमार पांडेय एवं कोषाध्यक्ष बी. नागेश ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जनसेवा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि, संस्था के पदाधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

इस अवसर पर जरूरत मंद ग्रामीणों के बीच साड़ी, लुंगी एवं चप्पलों का निःशुल्क वितरण किया गया। साथ ही एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच एवं उपचार की व्यवस्था की गई। स्वास्थ्य शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बस्तर डॉ. संजय बसाख, डॉ. सी. मैत्री (डीटीओ), डॉ. संजय वर्मा तथा डॉ. नारायण दास पंथ सहित चिकित्सकों की टीम ने बड़ी संख्या में मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में चर्म रोग, उच्च रक्तचाप, आर्थराइटिस, मलेरिया, हाइपर एसिडिटी, एनीमिया सहित अन्य सामान्य एवं जटिल बीमारियों की जांच कर निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को स्वच्छता, पोषण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं समय पर उपचार के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। वहीं सभी उपस्थित ग्रामीणों के लिए सामूहिक भोज का आयोजन भी किया गया, जिससे सामाजिक समरसता एवं सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा मिला। संस्था द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सभी ने समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की सफलता में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय एवं संस्था के सभी सदस्यों का योगदान रहा।

स्वास्थ्य जांच का लक्ष्य पूर्ण करने वाला बस्तर संभाग का नारायणपुर पहला जिला बना

नारायणपुर, 4 जून। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत नारायणपुर जिला स्वास्थ्य जांच का लक्ष्य पूर्ण करने वाला बस्तर संभाग का पहला जिला बन गया है। जिले में निर्धारित 1 लाख 58 हजार 303 लोगों के लक्ष्य के तहत 1 लाख 58 हजार 651 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई, जो लक्ष्य का 100.22 प्रतिशत है। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग ने मिशन मोड में काम करते हुए गांव-गांव पहुंचकर शिविर लगाए। स्वास्थ्य कर्मी घने जंगलों, पहाड़ी क्षेत्रों और दूरस्थ बसाहटों तक पहुंचे। स्वास्थ्य केंद्रों के अलावा चौपालों और हाट-बाजारों में भी विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। अभियान की निगरानी डिजिटल तकनीक और रियल टाइम मॉनिटरिंग के जरिए की गई। जांच के दौरान मलेरिया, टीबी, कुष्ठ रोग और सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारियों के संभावित मरीजों की पहचान की गई। संदिग्ध मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया गया। वहीं गंभीर स्थिति वाले 905 मरीजों को बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया गया। नारायणपुर कलेक्टर नम्रता जैन के मुताबिक, स्वास्थ्य विभाग, मितानिनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अमले के संयुक्त प्रयासों से यह उपलब्धि हासिल हुई है। अबूझमाड़ के दुर्गम वनांचल और दूरस्थ इलाकों तक पहुंचकर स्वास्थ्य टीमों ने लोगों की जांच की। उन्होने कहा कि, मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान का उद्देश्य दूरस्थ वनांचल और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है।

एक नजर

मुख्यमंत्री जी आखिर राजिम को कब मिलेगा मेडिकल कॉलेज?

राजिम। गरियाबंद जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति आज भी लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। जिले के नागरिकों का कहना है कि विकास के कई दावों के बावजूद स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपेक्षित सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। गंभीर बीमारियों और आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को आज भी रायपुर, धमतरी और अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है।जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर लगातार यह शिकायत सामने आती रही है कि अधिकांश सरकारी अस्पताल प्राथमिक उपचार के बाद मरीजों को बड़े अस्पतालों के लिए रेफर कर देते हैं। ऐसे में गरियाबंद जिला स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में एक तरह से ÷रिफर सेंटर÷ बनकर रह गया है। विशेष रूप से हृदय रोग, चर्मरोग, न्यूरो, ट्रॉमा और वेंटिलेटर जैसी उन्नत चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में लोगों को निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ता है।क्षेत्र के नागरिकों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि यदि राजिम में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो जाए तो न केवल स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि जिले में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता भी बढ़ेगी। इससे हजारों मरीजों को इलाज के लिए राजधानी जाने की मजबूरी से राहत मिलेगी।वर्तमान में राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू से क्षेत्र की जनता को बड़ी उम्मीदें हैं। लोगों का कहना है कि लंबे समय से मेडिकल कॉलेज की मांग उठती रही है, लेकिन अब तक यह मांग धरातल पर नहीं उतर सकी है। ऐसे में जनता की निगाहें जनप्रतिनिधियों और राज्य सरकार पर टिकी हुई हैं।क्षेत्रवासियों का कहना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी राजिम पूरे प्रदेश में अपनी अलग पहचान रखती है, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में अब भी पिछड़ी हुई है। लोगों ने सरकार से मांग की है कि राजिम में मेडिकल कॉलेज और सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थापना को प्राथमिकता दी जाए, ताकि जिले के मरीजों को समय पर बेहतर उपचार मिल सके।अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर राजिम और गरियाबंद जिले की जनता को मेडिकल कॉलेज की सौगात कब मिलेगी और कब तक लोगों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे शहरों की ओर दौड़ लगानी पड़ेगी?

जिंदगी चुनो, तम्बाकू नहीं, संदेश के साथ चलाया गया जागरूकता अभियान

रायगढ़, 4 जून। तम्बाकू और निकोटीन उत्पादों के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति समाज को जागरूक बनाने तथा नशे की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत, सिविल सर्जन डॉ. दिनेश पटेल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैकरा एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ. विवेक उपाध्याय के मार्गदर्शन में आयोजित अभियान के तहत गजेन्द्र प्रसाद कला दल द्वारा केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड क्षेत्र एवं जिला चिकित्सालय परिसर में प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इस वर्ष की थीम 'आकर्षण का पर्दाफाश करनाः निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला करना' पर आधारित नाटक के माध्यम से आमजन को तम्बाकू एवं निकोटीन उत्पादों के दुष्प्रभावों, उनसे होने वाली गंभीर बीमारियों तथा नशे की लत से मुक्ति के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही निकोटिन गम एवं निकोटिन पैच जैसे तम्बाकू छोड़ने में सहायक विकल्पों की भी जानकारी प्रदान की गई।

बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा, रिकॉर्ड संधारण ऑनलाइन पोर्टलों में त्रुटिरहित प्रविष्टि पर फोकस

रायगढ़, 4 जून। विद्यालयों में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों के प्रभावी संचालन, विभागीय योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन तथा शासन के निर्देशों के समयबद्ध पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर के निर्देश एवं जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.व्ही.राव के मार्गदर्शन में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय रायगढ़ में विकासखंड के समस्त हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के लिपिकों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।बैठक में विद्यालय स्तर पर संचालित विभिन्न योजनाओं, छात्रवृत्ति, यू-डाइस डेटा प्रविष्टि, नामांकन, परीक्षा संबंधी कार्यों, वित्तीय प्रबंधन तथा अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने सभी लिपिकों से विभागीय कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का आह्वान किया। बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी संजय पटेल ने कहा कि विद्यालयों में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अभिलेखों का व्यवस्थित एवं अद्यतन संधारण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी लिपिकों को शासन एवं विभाग द्वारा जारी निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने, विभागीय पत्राचार का समय पर निराकरण करने तथा ऑनलाइन पोर्टलों में जानकारी दर्ज करते समय विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर उपलब्ध अभिलेखों की गुणवत्ता और अद्यतन स्थिति ही विभागीय कार्यों की सफलता का आधार है। किसी भी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही से न केवल प्रशासनिक कार्य प्रभावित होते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं एवं योजनाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

देवभोग बीएमओ डॉ. प्रकाश साहू हटाए गए, जांच के बीच प्रशासन का बड़ा फैसला

किडनी मरीज के परिजन को कथित धमकी देने के मामले में विभाग ने की कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजिम,4 जून। सुपेबेड़ा के किडनी मरीज के परिजन के साथ कथित अभद्र व्यवहार और धमकी देने के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवभोग के प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. प्रकाश साहू को उनके पद से हटा दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) गरियाबंद द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह कार्रवाई सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रकाशित खबरों के बाद की गई है।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला–गरियाबंद (छ.ग.)

Phone No. 07706-241445

Email Id : Cmogariaband@yahoo.in

-: आदेश :-

(कलेक्टर,जिला गरियाबंद द्वारा अनुमोदित)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला–गरियाबंद (छ.ग.)

जानकारी के अनुसार सुपेबेड़ा निवासी टंकधर आंडलिय ने आरोप लगाया था कि अपनी किडनी पीड़ित पत्नी के उपचार के लिए ब्लड बढ़ाने वाले इंजेक्शन की जानकारी मांगने पर उन्हें बीएमओ द्वारा कथित रूप से धमकाया गया और अभद्र व्यवहार किया गया। मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया था। विभिन्न सामाजिक संगठनों और ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग की थी।

सीएमएचओ कार्यालय द्वारा 3 जून 2026 को जारी आदेश में डॉ. प्रकाश साहू से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवभोग के खंड चिकित्सा अधिकारी का प्रभार तत्काल प्रभाव से वापस लेते हुए यह जिम्मेदारी अस्थायी रूप से डॉ. श्याम सुंदर गुप्ता को सौंप दी गई है।

मरीजों के सम्मान से जुड़ा मामला

गौरतलब है कि सुपेबेड़ा क्षेत्र लंबे समय से किडनी बीमारी की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ व्यवहार को लेकर स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में प्रशासन की यह कार्रवाई मरीजों की शिकायतों को गंभीरता से लेने और जवाबदेही तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

क्षेत्र में संतोष, निष्पक्ष जांच की मांग बरकरार

कार्रवाई के बाद क्षेत्र के लोगों ने राहत और संतोष व्यक्त किया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल एक अधिकारी को हटाने का मामला नहीं, बल्कि मरीजों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा से जुड़ा विषय है। लोगों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर तथ्य सामने लाए जाएं और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

एक्शन अगेंस्ट हंगर के मुहिम से जिले के 14 जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों का हुआ कायाकल्प

लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से आंगनबाड़ी केंद्रों को बनाया गया आधुनिक एवं सुविधायुक्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 4 जून। जिले में बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए फ्रांस की संस्था द्वारा एक्शन अगेंस्ट हंगर के मुहिम से 14 जर्जर एवं अति जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों का उन्नयन एवं जीर्णोद्धार किया गया है। लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से इन केंद्रों को पुनर्विकसित कर पूर्णतः संचालन योग्य बनाया गया है। पुनर्विकसित आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रत्येक केंद्र पर लगभग 5 से 7 लाख रुपये व्यय कर व्यापक मरम्मत एवं आधुनिकीकरण कार्य किए गए हैं। इनमें मॉड्यूलर किचन, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता हेतु नल कनेक्शन एवं पानी टंकी, फर्श एवं आंगन में टाइल्स, विद्युत व्यवस्था, पंखे, रंग-रोगन, बच्चों के लिए गतिविधि सामग्री सहित गर्भवती महिलाओं एवं कुपोषित बच्चों की जांच तथा स्वास्थ्य परीक्षण के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री पंकज डाहिरे ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त ये आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के समग्र विकास एवं प्रारंभिक शिक्षा के लिए बेहतर वातावरण प्रदान करेंगे। यह पहल जिले में पोषण एवं बाल विकास को नई दिशा देने वाली साबित होगी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व) हितेश्वरी बाघे ने कहा कि सुविधायुक्त एवं आकर्षक आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने के साथ-साथ माताओं में भी विश्वास और जागरूकता का वातावरण निर्मित करें।

इस अवसर पर अधिकारियों ने महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के बेहतर भविष्य निर्माण, कुपोषण मुक्ति, सुपोषण को बढ़ावा देने, रेडी-टू-ईट खाद्यान्न के समय पर वितरण तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री पंकज डाहिरे, एसडीएम हितेश्वरी बाघे, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अशोक कुमार पाण्डेय, जिला परियोजना अधिकारी ऋषि बंजारे, सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती जी.एन. कार्के, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती लाकेश्वरी ध्रुव, सहायिका श्रीमती मानबाई सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

दूसरे बैंकों से कर्ज लेने वाले किसानो को नगद में सोसायटियों से खाद देने की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजिम,4 जून। राजिम खरीफ सीजन की शुरुआत होते ही जिले में खाद संकट गहराने लगा है। खेतों में बुवाई की तैयारी कर चुके किसान अब खाद के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। समय पर उर्वरक नहीं मिलने से किसानों की चिंता बढ़ गई है और अब उन्होंने सरकार व प्रशासन के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है– ÷जो किसान ग्रामीण बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंक या अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लेकर खेती करते हैं, क्या वे किसान नहीं हैं?÷

किसानों का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था के तहत कई ऐसे किसान सोसायटियों से खाद नहीं ले पा रहे हैं, जिन्होंने सहकारी बैंक की बजाय अन्य बैंकों से ऋण लिया है। जबकि खेती वही कर रहे हैं, खेत वही हैं, फसल वही है और मेहनत भी उतनी ही है। ऐसे में खाद वितरण में इस तरह का भेदभाव किसानों के साथ अन्याय है। किसानों का कहना है कि खरीफ सीजन का समय किसी परीक्षा से कम नहीं होता। बारिश की पहली बूंद के साथ किसान खेतों में उतर जाता है, लेकिन यदि समय पर खाद नहीं मिलेगी तो पूरी फसल प्रभावित हो सकती है। यही वजह है कि किसानों ने मांग की है कि सभी किसानों को, चाहे उन्होंने किसी भी बैंक से ऋण लिया हो, सोसायटियों के माध्यम से नगद भुगतान पर खाद उपलब्ध कराई जाए।

266 का युरिया 700 तक तो डीएपी 1800 रुपए तक बिक रहा बाजार में

खाद संकट के बीच किसानों ने निजी उर्वरक दुकानों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। किसानों का कहना है कि बाजार में यूरिया, डीएपी और अन्य उर्वरकों की कृत्रिम कमी पैदा कर कुछ व्यापारी मनमाने दाम वसूल रहे हैं। निर्धारित मूल्य पर खाद उपलब्ध नहीं होने से किसान मजबूरी में अधिक कीमत चुकाने को विवश हैं।किसानों का आरोप है कि जिस खाद की थैली सरकार तय कीमत पर उपलब्ध कराने का दावा करती है, वही खाद कई जगह किसानों को महंगे दामों में बेची जा रही है। इससे खेती की लागत बढ़ रही है और किसानों की आर्थिक कमर टूट रही है।

निजी दुकानों में सरकारी कर्मचारी की ड्यूटी लगे

किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि निजी खाद दुकानों में कृषि, राजस्व और सहकारिता विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। खाद के स्टॉक, बिक्री और मूल्य की नियमित निगरानी की जाए ताकि कालाबाजारी और जमाखोरी पर प्रभावी रोक लग सके। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि खाद की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की गई और कालाबाजारी पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो किसानों का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दे सकता है।

जिला स्तरीय उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

रायगढ़, 4 जून। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रायगढ़ श्री अभिजीत बबन पठारे के मार्गदर्शन में जिला पंचायत के सभाकक्ष में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय उन्मुखीकरण सह प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जिले के विभिन्न विभागों एवं पंचायत स्तर पर कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को नियमावली के प्रावधानों से अवगत कराते हुए उसके प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए तैयार करना था।कार्यशाला में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 के प्रमुख प्रावधानों, ग्राम पंचायत स्तर पर अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, घरों एवं संस्थानों से निकलने वाले कचरे के स्रोत स्तर पर पृथक्करण, प्लास्टिक एवं घरेलू अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा स्वच्छता संबंधी अधोसंरचना के प्रभावी संचालन एवं रखरखाव पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

किसानों के लिए खाद-बीज की भरपूर उपलब्धता, 24 हजार मीट्रिक टन उर्वरक का सुरक्षित भंडारण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 4 जून। जिले में खरीफ सीजन की तैयारियां पूरी गति से चल रही हैं और किसानों को खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। किसानों को समय पर कृषि आदान उपलब्ध कराने, उर्वरकों की कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण रखने तथा प्रत्येक कृषक तक समान रूप से लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में सतत निगरानी और सुव्यवस्थित वितरण व्यवस्था लागू की गई है। वर्तमान में जिले में 24 हजार मीट्रिक टन उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जिससे किसानों की मांग के अनुरूप खाद उपलब्ध कराई जा रही है। प्रशासनिक सक्रियता और योजनाबद्ध प्रबंधन के कारण जिले में खाद एवं बीज वितरण व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो रही है, जिससे किसानों में संतोष और विश्वास का माहौल बना हुआ है।

उप संचालक कृषि श्री अनिल वर्मा ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित खाद वितरण सीमा का उद्देश्य किसी भी किसान को खाद से वंचित करना नहीं है, बल्कि जिले के अंतिम छोर तक बसे किसानों को भी समान रूप से उर्वरक उपलब्ध कराना है। यह व्यवस्था उर्वरकों के संतुलित वितरण और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लागू की गई है। कृषि विभाग के उर्वरक निरीक्षक, निगरानी दल और मैदानी अमले प्रतिदिन सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। किसानों को उनके खेती के रकबे के अनुसार नियमानुसार उर्वरकों का वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। किसी भी विक्रय केंद्र में अनियमितता पाए जाने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। आगे भी जिले के सभी उर्वरक विक्रय केंद्रों की निगरानी लगातार जारी रहेगी ताकि किसानों को बिना किसी परेशानी के आवश्यक उर्वरक उपलब्ध हो सकें।कृषि विभाग द्वारा किसानों को डीएपी उर्वरक के विकल्प के रूप में एनपीके, एसएसपी तथा नैनो उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और खेती की लागत कम करने के उद्देश्य से हरी खाद उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में दीवार लेखन, जनसंपर्क गतिविधियों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से किसानों को संतुलित उर्वरक प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है। वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग से किसानों को बेहतर उत्पादन के साथ-साथ आर्थिक लाभ भी मिलेगा। इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई देने लगा है।जिले की सहकारी समितियों में खाद एवं बीज भंडारण के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कृषि विभाग ने बताया है कि गोदामों में खाद और बीज के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित भंडारण के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध है तथा किसी भी समिति में भंडारण क्षमता की कमी नहीं है। बीजों का सुरक्षित रख-रखाव और समय पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग ने किसानों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे खाद एवं बीज की उपलब्धता को लेकर फैल रही किसी भी प्रकार की अपुष्ट या भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

रायगढ़, 4 जून। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बच्चों की असाधारण प्रतिभा, साहस और समाज के प्रति उत्कृष्ट योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह पुरस्कार देश के उन प्रतिभाशाली बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहित छह श्रेणियों में प्रदान किया जाएगा। ऐसे बच्चे जिनकी आयु 31 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष से कम हो तथा जिन्होंने इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय योगदान दिया।

खेत बचाओ अभियान के तहत गांव पहुंच रहे कृषि वैज्ञानिक एवं अधिकारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 4 जून। खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच किसानों को वैज्ञानिक खेती, मृदा संरक्षण और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा 1 जून से 15 जून तक जिले के गांवों में 'खेत बचाओ अभियान' संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिक एवं विभागीय अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर किसानों से संवाद स्थापित कर रहे हैं तथा उन्हें टिकाऊ एवं लाभकारी खेती के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी भी प्रदान कर रहे हैं।

इसी क्रम में विकासखंड लैलूंगा के ग्राम पहाड़ लुड़ेग में कृषि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में विभागीय अधिकारियों द्वारा किसानों से संवाद कर विभिन्न कृषि योजनाओं एवं नवाचारों की जानकारी दी गई। चौपाल में किसानों को खेत बचाओ अभियान, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, पीएम-आशा योजना तथा सुगंधित जवांफूल धान की खेती के क्षेत्र विस्तार के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कृषि अधिकारियों ने बताया कि सुगंधित जवांफूल धान की बाजार में अच्छी मांग है तथा इसके चावल को बेहतर मूल्य प्राप्त हो रहा है। ऐसे में किसानों को इसकी खेती का रकबा बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्हें हरी खाद, ढैंचा, बीजी, कल्चर, गोबर खाद तथा जीवामृत के उपयोग से मृदा की उर्वरता बढ़ाने और उत्पादन लागत कम करने के उपाय बताए गए। साथ ही फसल प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों की जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में क्षेत्र की जनपद सदस्य, सरपंच प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। किसानों ने कृषि विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी हासिल की। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि खेत बचाओ अभियान के दौरान जिले के विभिन्न ग्रामों में चौपाल, प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

समाधान और जनकल्याण का सशक्त मंच बन रहा सुशासन तिहार

रायगढ़, 4 जून। जनपद पंचायत रायगढ़ के भगोरा क्लस्टर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ग्रामीणों के लिए समाधान और जनकल्याण का प्रभावी मंच बनकर उभरा। 21 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें प्रशासन के समक्ष रखीं। शिविर में कुल 675 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अनेक मामलों का मौके पर ही निराकरण कर लोगों को तत्काल राहत प्रदान की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सुशासन की परिकल्पना एवं कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर उन्हें राहत पहुंचाने के साथ-साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना था। शिविर में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न विभागों द्वारा लोगों की समस्याओं का समाधान करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

शिविर केवल शिकायतों के समाधान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितलाभ वितरण का भी केंद्र बना। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत श्रीमती रतनी राठिया एवं श्रीमती सुखमति राठिया को डबरी निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान की गई, जबकि मकरध्वज को जॉब कार्ड वितरित किया गया।

जब्त अफीम की फसल बीएसपी में नष्ट की गई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 4 जून। दुर्ग जिले में बीते मार्च महीने के दौरान बड़े पैमाने पर अफीम की खेती का खुलासा हुआ था। शिवनाथ नदी तट पर समोदा झेंझरी खार से जप्त अफीम की फसल का आज भिलाई इस्पात संयंत्र के धमन भट्ठी में विनष्टीकरण किया गया। ड्रग डिस्पोजल कमेटी द्वारा परीक्षण और तौल कराने के बाद अफीम की फसल का विनष्टीकरण कार्यवाही शुरू किया गया। जिसमें एसएसपी, एएसपी, सीएसपी सहित पुलिस विभाग और बीएसपी प्रबंधन के आला अधिकारी मौजूद रहे भिलाई इस्पात संयंत्र के धमन भट्ठी में दुर्ग पुलिस ने आज फिर एक बार नशीली अफीम के पौधों का विनष्टीकरण किया। अफीम के इन पौधों को

दुर्ग पुलिस ने मार्च महीने में समोदा व झेंझरी खार से जप्त किया था। अफीम की बड़े पैमाने पर हो रही खेती का खुलासा होने के बाद यह मामला प्रदेश भर की सुर्खियों में आ गया था। लगभग 5 से 6 एकड़ जमीन पर अफीम की खेती हो रही थी। पुलिस ने कईं दिनों की मशक्कत के बाद अफीम की फसल को उखाड़कर जप्त किया था दुर्ग डीआईजी विजय अग्रवाल ने बताया कि समोदा झेंझरी खार से जप्त अफीम के पौधों को आईजी रेंज अभिषेक शांडिल्य के दिशा निर्देश पर भिलाई इस्पात संयंत्र के धमन भट्ठी में विनष्टीकरण किया गया है इस से पहले हाई पावर कमेटी ड्रग डिस्पोजल कमेटी ने अफीम की फसल का वजन और परीक्षण किया फिर विडियो ग्राफी और फोटो ग्राफी के साथ विनष्टीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई। एसएसपी ने बताया कि नष्ट की गई अफीम के फसल की कीमत करोड़ों रुपए में थी।यह प्रतिबंधित फसल है गौरतलब रहे कि समोदा व झेंझरी खार में अफीम की खेती का पर्दाफाश होने के बाद इस मामले में भाजपा नेता विनायक ताम्रकार सहित गोलू ठाकुर, विकास विश्नोई और अचला राम जाट की संलिप्तता उजागर हुआ था। इस मामले में विनायक ताम्रकार की सहित अन्य की गिरफ्तारी हुई है। वहीं भाजपा ने मामले पर संज्ञान लेते हुए विनायक ताम्रकार को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। इस मामले ने राजनीतिक माहौल में भी गर्माहट भर दिया था विपक्षी पार्टी कांग्रेस की ओर से सत्ता पक्ष पर जमकर निशाना साधा गया था।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से 2,705 परिवार बने ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर, हर माह 13.80 लाख यूनिट हरित बिजली का उत्पादन

रायगढ़, 4 जून। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना रायगढ़ जिले में ऊर्जा क्रांति का माध्यम बनती जा रही है। स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा की दिशा में जिले ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। योजना के प्रति लोगों का बढ़ता विश्वास और उत्साह इस बात का प्रमाण है कि अब आम नागरिक भी ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। जिले में अब तक 2,705 घरों में सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित हो चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों के बिजली बिल में कमी आने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिल रही है।जिले में योजना के तहत अब तक कुल 6,701 आवेदन प्राप्त हुए हैं। केवल मई माह में ही 912 नए आवेदन मिले।

जनसमस्याओं को लेकर प्रदेश महासचिव केशव सिन्हा ने निगम जोन कार्यालय का किया घेराव,सौंपा चार सूत्रीय ज्ञापन

रायपुर 4 जून। क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं एवं विकास कार्यों में हो रही अनियमितताओं को लेकर हस्ट्ढ के प्रदेश महासचिव केशव सिन्हा के नेतृत्व में स्थानीय नागरिकों ने रायपुर नगर निगम जोन-01 खमतराई कार्यालय का घेराव कर जोन आयुक्त को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र की लंबे समय से लंबित समस्याओं के त्वरित निराकरण की मांग की गई।

ज्ञापन में मांग की गई कि गंगा नगर तालाब में हो रहे अवैध पट्टे एवं अतिक्रमण पर तत्काल रोक लगाई जाए। तालाब में डाले गए मलबे को हटाकर भूमि का सीमांकन कराया जाए, तथा तालाब की पचरी का निर्माण एवं सौंदर्यीकरण किया जाए। इसके अलावा गोवर्धन नगर नाला पर हो रहे अवैध कब्जों को हटाने की भी मांग की गई। वर्ष 2022-23 से अधूरे पड़े बंजारी बाड़ी नाला निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने करने की मांग की गई।

तथा बंजारी बाड़ी सार्वजनिक भवन के निर्माण कार्य को भी पूर्ण कराने की मांग उठाई। वहीं रिंग रोड टिंबर लाइन से प्राथमिक स्कूल होते हुए रेलवे लाइन तक सड़क के डामरीकरण कार्य को अधूरा छोड़ दिए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे जल्द से जल्द पूरा

प्रदेश महासचिव केशव सिन्हा ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से इन समस्याओं से परेशान है, लेकिन जिम्मेदार विभागों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो जनहित में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगी।

प्रदर्शन के दौरान जिसमें मुख्य रूप से पंकज शर्मा जी , किरण वर्मा, मनोज वर्मा जी ,अरविन्द सिंह, केशव पटेल जी ,रोहन मानिकपुरी, राखी राम साहू शुभम यादव, दीपक साहू, दिनेश ,कमल, राजेंद्र चौहान मोहन साहू , देवेंद्र पटेल , सोनी साहू ,कमला वर्मा, कौशील्या मरकाम ,गीता साहू ,सरस्वती मनिकपुरी , समेत बड़ी संख्या स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एक नजर

समय पर खाद -बीज मिलने से खिले किसानों के चेहरे

बलौदाबाजार, 4 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। खेती के लिये समय पर खाद- बीज की व्यवस्था किसानों के लिये बड़ी चुनौती होती है लेकिन जिला प्रशासन की बेहतर व्यवस्था से जिले के किसानों को आवश्यकता अनुसार आसानी से खाद बीज उपलब्ध हो रहा है। ग्राम पाहंदा के बालचंद बांधे का जीवन खेतों की हरियाली और मिट्टी की सोंधी महक के बीच बीतता है। पेशे से एक किसान, बालचंद के लिए खेती सिर्फ आजीविका का साधन नहीं, बल्कि उनका जुनून है। इस साल किसान बालचंद अपनी खुद की जमीन के साथ-साथ जमीन रेगहा और अधिया पर लेकर कुल 25 एकड़ पर खेती करने वाले हैं। 25 एकड़ में धान की खेती के लिये दिन-रात की कड़ी मेहनत, सही योजना और सबसे बढ़कर सही समय पर खाद-बीज की जरूरत थी। समय बीतने के साथ बालचंद के दिल की धड़कनें भी बढ़ने लगी थीं, क्योंकि 25 एकड़ खेत के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज का इंतजाम करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन इस बार बालचंद की यह चिंता पल भर में दूर हो गई। शासन, प्रशासन और सहकारी समिति की मुस्तैदी के चलते उन्हें उनकी जरूरत के मुताबिक, बिल्कुल सही समय पर और पर्याप्त मात्रा में उत्तम किस्म के खाद और बीज मिल गए। जब खेतों को जरूरत पड़ेगी, उस वक्त के लिये पहले से खाद-बीज किसान के पास मौजूद है। इस सुचारू और पारदर्शी व्यवस्था ने बालचंद के चेहरे पर एक सुकून भरी मुस्कान ला दी। उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जब शासन-प्रशासन इस तरह किसानों के साथ खड़े है, तो आधी चिंता अपने आप खत्म हो जाती है। समय पर मिले इस सहयोग से उत्साहित बालचंद अब दोगुनी ऊर्जा के साथ अपने 25 एकड़ के खेतों को संवारने में जुट गए हैं।

मंत्री टंकराम वर्मा छेरकापुर शिविर में हुए शामिल

बलौदाबाजार, 4 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा सुशासन तिहार अंतर्गत बुधवार को ग्राम छेरकापुर में आयोजित समाधान शिविर में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरी शंकर अग्रवाल भी उपस्थित रहे।इस दौरान मंत्री श्री वर्मा ने क्षेत्र के विकास हेतु कई घोषणाएँ कीं जिनमें छेरकापुर उप स्वास्थ्य केंद्र स्थापना के लिए 5 लाख रुपये, छेरकापुर में मुक्तिधाम निर्माण और सीसी रोड के लिए 5-5 लाख रुपये, गोड़ा सरस्वती शिशु मंदिर हेतु 12 लाख रुपये तथा सेमरिया में सीसी रोड निर्माण के लिए 30 लाख रुपये शामिल हैं। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य शासन पूर्णतः प्रतिबद्ध है और विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सुशासन त्यौहार का मुख्य उद्देश्य जनता के बीच सीधे पहुँचकर शासकीय योजनाओं का फीडबैक प्राप्त करना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। इसी उद्देश्य से प्रदेशभर में समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सभी शिविरों में स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, ताकि नागरिकों को मौके पर ही चिकित्सकीय परामर्श मिल सके और उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके।

सुशासन शिविर में कांग्रेस का हल्ला बोल विधायक हर्षिता बघेल ने सरकार को घेरा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 4 जून। देवकट्टा हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित सुशासन शिविर बुधवार को कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन का केंद्र बन गया। विधायक हर्षिता स्वामी बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और किसानों ने विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर जमकर हल्ला बोला। करीब दो घंटे तक चले आंदोलन में बदहाल सड़कें, किसानों को खाद-बीज की उपलब्धता, आवास योजना, नल-जल योजना और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से उठाए गए।

इस दौरान विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने कहा कि सरकार योजनाओं और उपलब्धियों के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान खाद और बीज के लिए भटक रहे हैं, जबकि सरकार उपलब्धियों के ढोल पीट रही है। उन्होंने कहा कि लाखों आवास स्वीकृत होने के दावों के बावजूद पात्र हितग्राहियों को अब तक लाभ नहीं मिल पाया है। उन्होंने नल-जल योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि गांवों में करोड़ों रुपये खर्च कर पानी टंकियां तो बना दी गई हैं, लेकिन अधिकांश स्थानों पर लोगों को नियमित पानी नहीं मिल रहा है। वहीं क्षेत्र की सड़कें भी बदहाल स्थिति में हैं, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

किसानों से रकबा समर्पण कराना दुर्भाग्यपूर्ण : नवाज़ खान- प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस नेता नवाज़ खान ने कहा कि यह पहली बार है जब किसानों को रकबा समर्पण कराने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी और किसानों से किए गए वादों को लेकर सरकार की वास्तविकता सामने आ रही है। उन्होंने बढ़ती बिजली दरों, पेट्रोल-डीजल की कीमतों और खेती की बढ़ती लागत का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यदि खेती-किसानी लगातार महंगी हो रही है तो सरकार को किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार इस वर्ष धान की खरीदी 3500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करेगी । वहीं नवाज़ खान ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार महिला सम्मान की बात करती है, लेकिन स्थानीय महिला विधायक को ही शिविर में आमंत्रित नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि शिविरों में केवल आवेदन लिए जा रहे हैं, जबकि समस्याओं के समाधान की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है।

बाढ़ पीड़ितों ने सुनाई अपनी पीड़ा: शिविर में कान्हारगांव, घोटिया, कोलेन्द्रा सहित अन्य गांवों के ग्रामीणों ने पिछले वर्ष हुई अतिवृष्टि और बाढ़ से हुए नुकसान का मुद्दा उठाया। ग्रामीणों ने बताया कि मकानों और अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचने के बावजूद उन्हें अब तक मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र राहत राशि दिलाने की मांग की।

ओपन मार्केट में खाद, सोसायटियों में कमी : कई किसानों ने एसडीएम एम. भार्गव के समक्ष खाद की उपलब्धता को लेकर शिकायत दर्ज कराई। किसानों का कहना था कि खुले बाजार में खाद आसानी से उपलब्ध है, जबकि सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल रहा है। इस पर एसडीएम ने मामले की जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

वन भूमि पर अतिक्रमण रोकने के लिए विशेष एंटी एनक्रोचमेंट ड्राइव शुरू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,4 जून। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देश अनुसार बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत वन भूमि पर अतिक्रमण की पहचान, रोकथाम एवं नियंत्रण के उद्देश्य से 1 जून से विशेष एंटी एनक्रोचमेंट ड्राइव संचालित किया जा रहा है। 15 जून तक संचालित होने वाले इस अभियान में वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व वन भूमि पर अतिक्रमण की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए वनमण्डल स्तर पर अंतर-परिक्षेत्रीय संयुक्त निरीक्षण दलों का गठन किया गया है जो विभिन्न वन परिक्षेत्रों में भ्रमण कर वन भूमि की स्थिति का परीक्षण करेंगे। अभियान के दौरान गठित निरीक्षण दल वन सीमाओं, वनखण्डों एवं बीट क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण करेंगे तथा विशेष रूप से उन कक्षों एवं क्षेत्रों का परीक्षण किया जाएगा जिनकी सीमाएं ग्रामों अथवा कृषि भूमि से लगी हुई हैं। निरीक्षण के दौरान वन सीमाओं, मुनारों की स्थिति, वन भूमि पर संभावित अतिक्रमण, अवैध कटाई, अवैध उत्खनन एवं अन्य गतिविधियों का मूल्यांकन किया जाएगा। अभियान अंतर्गत विभिन्न परिक्षेत्रों के अधिकारियों को अन्य परिक्षेत्रों में निरीक्षण हेतु नामित किया गया है, जिससे निष्पक्ष एवं प्रभावी मूल्यांकन सुनिश्चित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित परिक्षेत्रों द्वारा आवश्यक अभिलेख, नक्शे, कक्ष इतिहास एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएंगे तथा बीटवार जानकारी का परीक्षण किया जाएगा।

नाम परिवर्तन

मैं गोमती शंकर मिश्रा पिता द्वारिका प्रसाद मिश्रा जाति ब्राह्मण उम्र 49 वर्ष सा. डुंडेरा तह. मोहला, जिला-मोहला-मानपुर-अं.चौकी की निवासी हूं।

मेरा नाम पता एवं समान्य जानकारी उपरोक्तानुसार है।

मेरा वास्तविक नाम गोमती शंकर मिश्रा है मेरे नाम से भारतीय जीवन बीमा पालिसी खाता जारी करते समय पालिसी नं 383777725 मेरा नाम तुकेश्वर प्रसाद मिश्रा के नाम से जारी पालिसी जारी हुआ है।

मेरा वास्तविक नाम गोमती शंकर मिश्रा है मेरे आधार कार्ड में गोमती शंकर मिश्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा मोहला के पास बुक में मेरा नाम गोमती शंकर है। गोमती शंकर मिश्रा, गोमती शंकर तुकेश्वर प्रसाद मिश्रा तीनों नाम मेरा ही नाम है।

मेरे द्वारा अपने तीनों नाम के सबंध में अगर किसी प्रकार का कोई गलत जानकारी दी जाती है तो विभाग मेरे ऊपर कानूनी कार्यवाही कर सकता है। जिसकी जवाबदारी मेरे स्वयं का होगा।

शपथकर्ता
गोमती शंकर मिश्रा

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की बैठक में संगठन को मजबूत करने पर जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 4 जून। आज छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना तिल्दा-नेवरा खड़ एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी तिल्दा-नेवरा खड़ की मासिक बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, महिला शक्ति एवं युवा साथियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत बनाना, गांव-गांव तक विस्तार करना तथा छत्तीसगढ़िया समाज के हक-अधिकार एवं जनहित के मुद्दों पर आगामी रणनीति तैयार करना रहा।

बैठक में निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में गांव-गांव, मोहल्लों और वार्डों में सदस्यता अभियान को और तेज किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़कर छत्तीसगढ़िया समाज की आवाज को मजबूत बनाया जा सके। इसके साथ ही सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों पर जनजागरण कार्यक्रम चलाने तथा जनता के अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी लिया गया।बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में छत्तीसगढ़ के हित, संस्कृति, स्वाभिमान और अस्मिता की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष एवं सेवा का संकल्प दोहराया। साथ ही आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया गया। अंत में संगठन के वरिष्ठ साथियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास, सामाजिक न्याय एवं छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान की लड़ाई को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा तथा आम जनता की आवाज को बुलंद करने के लिए संगठन सदैव प्रतिबद्ध रहेगा।

आर्थिक व सामाजिक रूप से महिलाएं हुईं और सशक्त

बलौदाबाजार 4 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के पहल पर सरकार ने महिलाओं के नाम पर होने वाले भूमि रजिस्ट्रेशन (पंजीयन) शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट एवं 12 प्रतिशत उपकर को समाप्त करने का निर्णय लिया है। इस महत्वपूर्ण फैसले का सकारात्मक प्रभाव अब जिले में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। शासन की इन रियायतों के चलते महिलाओं के नाम पर संपत्ति खरीद और पंजीयन में जिले ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जिसमें ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में शहरी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अधिक देखी गई है। जिला पंजीयक कार्यालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2026 में जिले के पांचों उप पंजीयक कार्यालयों में महिलाओं के पक्ष में कुल 309 दस्तावेज पंजीकृत हुए थे। छूट मिलने के बाद मई 2026 में बढ़कर 445 पहुंच गई जो अप्रैल माह की तुलना में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि है।केवल बलौदाबाजार उप पंजीयक कार्यालय में अप्रैल 2026 में 78 और मई 2026 में बढ़कर 119 हो गया।

इसी प्रकार पलारी में अप्रैल 2026 में 40 दस्तावेज बढ़कर मई 2026 में 56, सिमगा में 56 से बढ़कर 99, कसडोल में 24से बढ़कर 50 तथा भाटापारा में 111 से बढ़कर 121 दस्तावेज हो गए। यह वृद्धि दर्शाती है कि महिलाओं को दी गई पंजीयन शुल्क छूट का लाभ बड़ी संख्या में परिवार उठा रहे हैं।

पर्यावरण स्वीकृति के संशोधन की आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित हो कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने ई.आई.ए. अधिसूचना 2006 के अंतर्गत हमारे पूर्व ईसी पहचान पत्र क्रमांक **EC23A1001CG5675995N Dated 20.11.2023** में संशोधन कर अपने ईसी पहचान पत्र नंबर-**EC25A1003CG5541866A Dated 29.05.2026** द्वारा संशोधित पर्यावरण स्वीकृति प्रदाय की गई है। जिसकी प्रति पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वेबसाईट (www.parivesh.nic.in.) तथा प्रतिलिपि छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर तथा मंडल मुख्यालय नवा रायपुर में भी अवलोकन हेतु उपलब्ध है।

स्थानः- बिलासपुर
दिनांकः- 30/05/2026

मेसर्स कालिंदी इस्पात प्रायवेट लिमिटेड
ग्राम- बेलपान
तहसील- मस्तुरी, जिला- बिलासपुर (छ.ग.)

पर्यावरण स्वीकृति के संशोधन की आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित हो कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने ई.आई.ए. अधिसूचना 2006 के अंतर्गत हमारे पूर्व ईसी पहचान पत्र क्रमांक **EC24A1003CG5988535N Dated 04.09.2024** में संशोधन कर अपने ईसी पहचान पत्र नंबर- **EC26A1003CG5435864A Dated 29.05.2026** द्वारा संशोधित पर्यावरण स्वीकृति प्रदाय की गई है। जिसकी प्रति पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वेबसाईट (www.parivesh.nic.in.) तथा प्रतिलिपि छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, क्षेत्रीय कार्यालय भिलाई, दुर्ग तथा मंडल मुख्यालय नवा रायपुर में भी अवलोकन हेतु उपलब्ध है।

स्थानः- बेमेतरा
दिनांकः- 30/05/2026

मेसर्स नीरगंगा इस्पात प्रायवेट लिमिटेड
ग्राम - बोरिया
तहसील-बेरला, जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

पत्रकार सम्मान समारोह

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ तिल्दा में होगी विशेष परिचर्चा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 4 जून। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ तिल्दा के मीडिया प्रभाग द्वारा गुरुवार, 4 जून 2026 को सायं 5 बजे से 7 बजे तक पत्रकार सम्मान समारोह एवं विशेष परिचर्चा का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का विषय ÷वैश्विक शांति की आवश्यकता : मीडिया की भूमिका÷ रखा गया है, जिसमें वर्तमान समय में विश्व शांति स्थापित करने में मीडिया की जिम्मेदारियों एवं योगदान पर सार्थक चर्चा की जाएगी।

कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र, सुना अस्पताल के पास, खरोरा रोड, तिल्दा में किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र के पत्रकारों, मीडिया प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों को आमंत्रित किया गया है।

आयोजकों के अनुसार आज विश्व अनेक प्रकार की चुनौतियों, संघर्षों, तनाव और वैचारिक विभाजन से गुजर रहा है। ऐसे समय में मीडिया केवल समाचारों का प्रसार करने वाला माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला एक सशक्त मंच भी है। यदि पत्रकारिता में सकारात्मकता, निष्पक्षता और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दी जाए तो वह सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और वैश्विक शांति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कार्यक्रम में पत्रकार बंधुओं के समाज निर्माण, जनजागरण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में दिए जा रहे योगदान का सम्मान भी किया जाएगा। साथ ही मीडिया जगत से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच रचनात्मक संवाद के माध्यम से यह विचार-विमर्श होगा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता किस प्रकार समाज में शांति, सद्भाव और सकारात्मक परिवर्तन की वाहक बन सकती है।

कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ तिल्दा के मीडिया प्रभाग द्वारा किया जा रहा है तथा इसमें तिल्दा-नेवरा नगर पालिका की पार्षद श्रीमती रानी सौरभ जैन का विशेष सहयोग रहेगा। आयोजकों ने सभी पत्रकार बंधुओं एवं जागरूक नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर इस महत्वपूर्ण परिचर्चा का लाभ लेने और विश्व शांति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया है।

विश्व साइकिल दिवस पर साइकिल रैली का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 4 जून। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में 'माई भारत' (मेरा युवा भारत) राजनांदगांव द्वारा विश्व साइकिल दिवस के विशेष अवसर पर ग्राम बासुला में एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित इस 2.5 किलोमीटर लंबी साइकिल रैली में स्थानीय युवाओं और माई भारत के स्वयंसेवकों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। इस गरिमामयी आयोजन की शुरुआत ग्राम बासुला में अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई। रैली को मुख्य रूप से श्री मनोज वर्मा (सरपंच प्रतिनिधि), श्री गिरिवर वर्मा (अध्यक्ष), और श्रीमती द्रौपदी कुर्रे (आंगनवाड़ी प्रशासक) ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अतिथियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए साइकिल चलाने के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि यह न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए, बल्कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए भी बेहद जरूरी है। रैली के दौरान 'माई भारत' राजनांदगांव के जिला युवा अधिकारी शुभजीत डे विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं का हौसला बढ़ाते हुए 'माई भारत' प्लेटफॉर्म के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और युवाओं को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। संपूर्ण साइकिल रैली का कुशल प्रबंधन और संचालन पूर्व एनवायवी तेजस्वी वर्मा द्वारा किया गया, जिनके मार्गदर्शन में रैली सुचारू रूप से संपन्न हुई। रैली में शामिल युवाओं और माई भारत के स्वयंसेवकों ने हाथों में तख्तियां लेकर और गगनभेदी नारों के साथ ग्रामीणों को फिटनेस और साइकिलिंग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संदेश दिया।

कार्यालय नगर पंचायत गीदम जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

दूरभाष एवं फैक्स 07856-244910 Email-cmogeedam@gmail.com

क्रमांक/542/रा./न.पं./2026-27 गीदम, दिनांक 01/06/2026

(नीलामी तिथि 11.06.2026 समय अपरान्ह 3:00 बजे)

द्वितीय नीलामी सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत गीदम में प्रभावशील निम्न करों एवं फीस वसूली का ठेका वर्ष **2026-2027 (15.06.2026 से 31.03.2027 तक) 10 माह** की अवधि के लिए उल्लेखित समय व दिनांक में घोष नीलामी द्वारा नगर पंचायत गीदम कार्यालय में किया जावेगा। नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति निर्धारित अमानत राशि जमा कर बोली में भाग ले सकते हैं। एवं नीलामी प्रपत्र शुल्क 200.00 रूपए नगद जमा कर नियत तिथि एवं समय पर आवेदन प्राप्त कर सकते हैं। अन्य नियम एवं शर्तें कार्यालय दिवस एवं समय में राजस्व शाखा से प्राप्त कर सकते हैं।

क्र.	कर/शुल्क का नाम	वर्ष 2026-27 हेतु शासकीय बोली	अमानत राशि	नीलामी दिनांक एवं समय
1	निर्यात कर	250,000.00	25,000.00	11.06.2026 समय 3:00 बजे से
	कुल योग राशि रू.	250,000.00	25,000.00	

टीप :- 1. अमानत राशि/आवेदन पत्र नीलामी तिथि 11.06.2026 समय अपरान्ह 2.00 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गीदम

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-गरियाबंद जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

E-mail - eeresdvgariyaband@gmail.com

ई- जोनल निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 01/2026-27 (प्रथम आमंत्रण)

क्रमांक/209/ई-निविदा/ ग्रा.यां.से./2026-27 गरियाबंद, दिनांक 02/06/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अतंर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित जोनल ई-निविदा वर्ष 2026-27 हेतु दिनांक 18.06.2026 तक आमंत्रित की जाती है।

सं. क्र.	सिस्टम टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (लाख रू. में)
1	2	3	4
1	192217	जोनल निविदा ग्रुप क्रमांक 01 ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग-गरियाबंद अंतर्गत विभिन्न भवनों निर्माण/जीर्णोद्धार कार्य जिसकी लागत 30.00 लाख से कम है।	40.00
2	192218	जोनल निविदा ग्रुप क्रमांक 01 ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग- फिंगेश्वर अंतर्गत विभिन्न भवनों निर्माण/जीर्णोद्धार कार्य जिसकी लागत 30.00 लाख से कम है।	40.00
3	192226	जोनल निविदा ग्रुप क्रमांक 01 ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग-छुरा अंतर्गत विभिन्न भवनों निर्माण/जीर्णोद्धार कार्य जिसकी लागत 30.00 लाख से कम है।)	40.00
4	192230	जोनल निविदा ग्रुप क्रमांक 01 ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग-मैनपुर अंतर्गत विभिन्न भवनों निर्माण/जीर्णोद्धार कार्य जिसकी लागत 30.00 लाख से कम है।	40.00
5	192235	जोनल निविदा ग्रुप क्रमांक 01 ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग-देवभोग अंतर्गत विभिन्न भवनों निर्माण/जीर्णोद्धार कार्य जिसकी लागत 30.00 लाख से कम है।	40.00

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 04.06.2026 से डाउनलोड की/देखी जा सकती है निविदा प्रपत्र का मूल्य 1500 रूपये ऑनलाईन भुगतान एवं अमानत की राशि एफ.डी.आर. प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक प्रस्तुत किया जाना है। मैन्युअल दस्तावेज कार्यालय में पहुँचने की अंतिम तिथि 22.06.2026 को शायं 5.30 बजे तक है।

जी-262701170/4

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग गरियाबंद

एक नजर

जन्मदिन पर वित्त मंत्री को बधाई

रायपुर, 4 जून। कैट के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन अमर पारवानी के नेतृत्व में व्यापार एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री माननीय ओपी चौधरी जी से सौजन्य भेंट कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

5 नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में होगी 149 पदों पर संविदा भर्ती

रायपुर, 4 जून। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के पांच नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकीय और चिकित्सकीय पदों पर संविदा भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह भर्ती दंतेवाड़ा, मनेंद्रगढ़, कुनकुरी, जांजगीर-चांपा और कबीरधाम स्थित मेडिकल कॉलेजों में की जाएगी। जारी सूचना के अनुसार कुल 149 रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई है। इनमें प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक और सीनियर रेजीडेंट के पद शामिल हैं। इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित की गई है। भर्ती प्रक्रिया राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के निर्धारित मानकों और पात्रता शर्तों के अनुरूप संपन्न की जाएगी।चयन प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद योग्य उम्मीदवारों का चयन साक्षात्कार (इंटरव्यू) के आधार पर किया जाएगा।

सरकारी स्कूल के बच्चों को एक साथ मिलेंगे यूनिफॉर्म के दोनों सेट

रायपुर, 4 जून। राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आगामी शैक्षणिक सत्र में बड़ी राहत मिलने जा रही है। यूनिफॉर्म वितरण व्यवस्था में बदलाव करते हुए इस बार बच्चों को यूनिफॉर्म के दोनों सेट एक साथ उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकार ने नए शिक्षा सत्र की शुरुआत से पहले ही वितरण प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य तय किया है। स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार, 16 जून से शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र से पहले विद्यार्थियों तक यूनिफॉर्म पहुंचाने की तैयारी तेज कर दी गई है। अब तक 18 जिलों में यूनिफॉर्म के दोनों सेट भेजे जा चुके हैं, जबकि शेष जिलों में भी जल्द आपूर्ति पूरी कर ली जाएगी।विभाग का दावा है कि इस वर्ष प्रदेशभर में 50 लाख से अधिक यूनिफॉर्म सेट विद्यार्थियों को वितरित किए जाएंगे। इससे पहले कई बार यूनिफॉर्म चरणबद्ध तरीके से पहुंचने के कारण छात्रों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था, लेकिन इस बार दोनों सेट एक साथ देने की व्यवस्था की गई है। यूनिफॉर्म के साथ-साथ पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। विभाग के मुताबिक कक्षा 9वीं और 10वीं की किताबें भी स्कूलों तक पहुंचा दी गई हैं, ताकि नए सत्र की शुरुआत से ही विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

छत्तीसगढ़ में स्थापित हुआ पारदर्शी सुशासन : ठाकुर

रायपुर, 4 जून। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने प्रदेशभर में आयोजित हो रहे

'सुशासन तिहार' की अभूतपूर्व सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त कर कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा आयोजित इस 'सुशासन तिहार' को प्रदेश की जनता का जो स्नेह और समर्थन मिला है, उसने यह साबित कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की जनता वर्तमान भाजपा सरकार की नीतियों और पारदर्शी कार्यप्रणाली से पूरी तरह सन्तुष्ट है। ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ वर्षों में कुशासन और जनता के हकों की जो लूट मची थी, उसे पूरी तरह समाप्त कर हमारी सरकार ने मात्र कुछ ही महीनों में राज्य को विकास और विश्वास की पटरी पर लौटाया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि 'सुशासन तिहार' केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमारे उस संकल्प का उत्सव है जिसमें अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को उसका अधिकार बिना किसी रिश्वत या सिफारिश के मिल रहा है। यह उत्सव 'मोदी की गारंटी' को धरातल पर शत-प्रतिशत उतारने का जीवन्त प्रमाण है। 'सुशासन तिहार' के माध्यम से जनता और प्रशासन के बीच की दूरी खत्म हुई है। सीधे संवाद से लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो रहा है।

स्कूल की जमीन पर अतिक्रमण हटाने बृजमोहन ने दिया निर्देश

रायपुर, 4 जून। छत्तीसगढ़ में चल रहे सुशासन तिहार में एक बार फिर सांसद बृजमोहन अग्रवाल अधिकारियों पर भड़क गए। मौके पर मौजूद न रहने वाले रेंजर को खड़े खड़े सस्पेंड कर दिया। स्कूल में अतिक्रमण देखा तो बोले सरकारी जमीन किसी के बाप की नहीं। पटवारी, नायब तहसीलदार से लेकर एसडीएम तक कि क्लास लगा दी। बृजमोहन बोले कि यदिन तीन दिन में अतिक्रमण नहीं हटा तो अगला नम्बर तुम्हारा है।

7 दिन में शिकायत खत्म या निलंबन: रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने गोबरा-नवापारा में आयोजित सुशासन तिहार महाशिविर में अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का निराकरण सात दिनों के भीतर हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित के कार्यों में लापरवाही या अनावश्यक देरी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रेंजर मौके पर ही सस्पेंड: महाशिविर के दौरान एक मामले में सांसद का कड़ा रुख भी देखने को मिला। कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय की बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य में वन विभाग की आपत्ति और संबंधित रेंजर की अनुपस्थिति की जानकारी मिलने पर उन्होंने मंच से ही नाराजगी जाहिर की। सांसद ने जिला प्रशासन को संबंधित रेंजर को तत्काल निलंबित करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी जनता की समस्याओं के समाधान के लिए मौजूद हैं, तब किसी अधिकारी की गैर-जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की जा सकती।

स्कूल में अतिक्रमण पर नाराज

शिविर में हरिहर हाई स्कूल की भूमि पर अवैध कब्जे और नवापारा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की आरक्षित भूमि के वर्षों से लंबित हस्तांतरण का मुद्दा भी उठा। इस पर सांसद ने पटवारी, आरआई और तहसीलदार को मंच पर तलब कर फटकार लगाई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तीन दिनों के भीतर स्कूल की जमीन से अवैध कब्जा हटाया जाए तथा सात दिनों के भीतर संबंधित भूमि विद्यालय के नाम दर्ज कराई जाए।

काम के लिए न भटकें लोग

अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता जनता को उनके घर के पास ही शासन-प्रशासन की सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पहले लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब प्रशासन स्वयं जनता के बीच पहुंचकर उनकी शिकायतें सुन रहा है।

जगह-जगह साय सरकार की भद पिट रही : दीपक बैज

सुशासन त्यौहार में केवल अधिकारियों को अपमानित किया जा रहा

रायपुर, 4 जून। तथाकथित सुशासन की असली पोल सुशासन त्यौहार में खुल रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जनता को भ्रमित करने तथा अपनी नाकामियों से पर्दा डालने सरकार के मंत्री, विधायक, सांसद अब अधिकारियों को धमकाने, चमकाने पर उतर आये है। ढाई साल के सरकार जनता से दूर हो चुकी है।

सुशासन त्यौहार के नाम पर जब जनता के बीच जा रहे तब जनाक्रोश को दबाने अधिकारियों पर दोषारोपण कर रहे है। मंत्री दयालदास बघेल मंच से शराब तस्करी के लिए पुलिस को दोषी ठहरा रहे है, तो विधायक रोहित साहू पटवारी को धमका रहे है, सांसद भोजराज नाग अधिकारी को निपटाने की धमकी दे रहे है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल शराब के खुलेआम बेचने पर आक्रोशित है, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह कलेक्टर, एसपी को धमका रहे, विधायक तहसीलदार से मारपीट कर रहा है। पूरे प्रदेश में अराजकता फैली हुई है, उस पर से सरकार बेशर्मी पूर्वक सुशासन का त्यौहार मना रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय छत्तीसगढ़ की 1 करोड़ महिलाओं से महतारी वंदन का फार्म भरवाये, 18 लाख पीएम आवास देने का फर्जी दावा किये, 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का झूठा वादा किये, अब उस वादाखिलाफी से ध्यान भटकाने सुशासन तिहार के नाम पर एक बार फिर आवेदन जमा किये जा रहे है, सरकार का फोकस समस्या के निराकरण में नहीं है। पेयजल व्यवस्था बदहाल है, बूंद-बूंद पानी के लिए जनता तरस रही है, मनरेगा के श्रमिक काम के इंतजार में खाली बैठे हैं, शिक्षकों की भर्ती रोक दी गई है, अस्पतालों में जांच, इलाज, दवा का अभाव है और यह सरकार जन सरोकार से आंख मूंदकर सुशासन तिहार मना रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सुशासन का दंभ भरने वाली साय सरकार के राज में आम आदमी छोटे-छोटे काम के लिये सरकारी दफ्तरों का चक्कर काटने को मजबूर है। पटवारी कार्यालय से लेकर तहसील दफ्तरों में लोगों के नामांतरण, फौती, त्रुटि सुधार के लाखों आवेदन लंबित है, लोगों के काम नहीं हो रहे, आम आदमी सरकारी दफ्तर के चक्कर काटने को मजबूर है।

कनाडा से लौटने पर चेम्बर अध्यक्ष थौरानी का स्वागत

रायपुर, 4 जून। इलेक्ट्रिक मर्चेंट एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी से एक सौजन्य मुलाकात की। इस गरिमामय बैठक में एसोसिएशन की नई टीम ने थौरानी के सफल कनाडा दौरे से वापस लौटने पर उनका शाल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर चेंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने भी रायपुर इलेक्ट्रिक मर्चेंट एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजंत अग्रवाल, सचिव नितेश वाढेर, कोषाध्यक्ष योगेश त्रिवेदी और उपाध्यक्ष महेश नत्थानी सहित समस्त टीम का पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। मुलाकात के दौरान थौरानी ने नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह नई टीम रायपुर इलेक्ट्रिक मर्चेंट एसोसिएशन के व्यापारियों के हितों की रक्षा और व्यापार के विकास के लिए पूरी ऊर्जा के साथ कार्य करेगी। इस अवसर पर महिला चेम्बर संरक्षक मीनाक्षी टुटेजा, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता, कोषाध्यक्ष नम्रता अग्रवाल, महिला, चेम्बर मितला प्रभारी तिलोकचंद बरड़िया, वरिष्ठ सलाहकार आभा मिश्रा, वित्तीय सलाहकार हेमल बेन शाह, सांस्कृतिक प्रभारी ऐश्वर्या तिवारी, डॉ. बी.जी. भोजवानी, एवं चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, वाइस चेयरमेन चेतन तारवानी सहित एसोसियेशन के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरकार अंततः गौठानों का नाम बदलकर शुरू करने मजबूर हुई : कांग्रेस

रायपुर, 4 जून। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के द्वारा आरंभ किए गए गौठान योजना का नाम बदलकर 1400 गौधाम के नाम से संचालित करने के निर्णय को भाजपा सरकार का यू-टर्न है। प्रदेश कांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार अंततः गौठानो का नाम बदलकर शुरू करने मजबूर हुई। ढाई साल बाद ही सही यह सरकार जागी तो सही। जो लोग राजनैतिक दुर्भावनावश गौठान का विरोध कर रहे थे, विगत ढाई वर्षो में स्वयं की कोई योजना ला नहीं सके, अब गौ-वंशी पशुओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए वापस उन्हें गौठानो का आश्रय लेना पड़ रहा है। चुनाव के समय जो गौ-माता के नाम पर वोट मांगते हैं, वही भाजपाई उन्हें अब आवारा पशु कह रहे हैं। भाजपा सरकार की अकर्मण्यता और दुर्भावनापूर्ण निर्णय से 10 हजार से अधिक गौठानो में ताले लगे और किसके चलते सैकड़ो की संख्या में गाय सड़क पर कुचलकर मार दी गई उस पाप के लिए यह सरकार ही जिम्मेदार है। प्रदेश कांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि गौठान योजना बंद करने का दुष्परिणाम सड़कों पर दिख रहा है, सड़कों पर मवेशियों की मौत और रोज-रोज हादसों हो रहे। भाजपा सरकार की उपेक्षा, पूर्वाग्रह और दुर्भावना के चलते ही गायें सड़कों पर कुचली जा रही हैं, किसान खुली चराई से परेशान हैं और राहगीर भी दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं।

शॉर्ट सर्किट से किराना दुकान में लगी आग

रायपुर, 4 जून। रायपुर के बढ़ईपारा इलाके में गुरुवार सुबह एक किराना दुकान में अचानक आग लग गई। आग लगते ही दुकान से धुएं का गुबार और लपटें उठने लगीं, जिसे देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया, जिससे आग आसपास की दुकानों और मकानों तक फैलने से बच गई। बताया जा रहा है कि यह दुकान कुमार नामक कारोबारी की है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दुकान से धुआं निकलता दिखाई दे रहा है, जबकि दमकल कर्मी आग बुझाने में जुटे नजर आ रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 6:30 बजे दुकान बंद थी। इसी दौरान दुकान के अंदर से धुआं निकलता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने दुकान के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। हालांकि, फायर ब्रिगेड और पुलिस विभाग की ओर से अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। आग लगने से दुकान में रखे किराना सामान, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य सामग्री को नुकसान पहुंचा है।

व्यापार महोत्सव में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों का किया जाएगा प्रदर्शन

रायपुर, 4 जून। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले देश के सबसे बड़े ट्रेड फेयर भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 के संबंध में आज कैट अंबिकापुर छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात कर महोत्सव की रूपरेखा, पर्यटन आधारित व्यापारिक संभावनाओं एवं प्रदेश की सहभागिता को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन, वन एवं इको-टूरिज्म, होटल एवं ट्रैवल उद्योग, हस्तशिल्प, जनजातीय उत्पादों तथा स्थानीय उद्यमों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के विषय पर सकारात्मक संवाद हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 के माध्यम से छत्तीसगढ़ की पर्यटन क्षमता को देशभर के व्यापारियों, निवेशकों एवं उपभोक्ताओं के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

औषधि पौधों की खेती के लिए किसानों को हर संभव मदद : अंजय शुक्ला

रायपुर, 4 जून। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड (छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग) द्वारा सजीव वच विदोहन प्रशिक्षण धमतरी ग्राम राउतमुड़ा में आयोजित किया गया। जिसमें धमतरी और आदिवासी अंचल नारायणपुर (अबूझमाड़) के ग्रामीण क्षेत्रों से किसानो आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने किसानो से चर्चा करते हुए किसान से कहा कि वे औषधि पौधों की खेती कर बोर्ड के माध्यम से शासन की योजनाओ का लाभ लेकर समृधि की राह चुने। इस मौके पर बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने किसानो से कहा की बोर्ड औषधि पौधों की खेती के लिए किसानो की हर संभव मदद करेगा।

सजीव वच विदोहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम एवं उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला के स्वागत से किया गया। इस दौरान फकीरराम कोसरिया ने धमतरी जिले बोर्ड द्वारा किये जा रहे कार्यो की जानकारी दी। तत्पश्चात बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस.राव ने बताया की बोर्ड पैडी डायवर्सन मॉडल अंतर्गत किसानों को धान की पारंपरिक खेती में हो रहे नुकसान को लाभ में बदलने के लिए 'वच' की खेती एक उत्तम विकल्प है जिसमे कुल लागत मात्र 20, 000 रुपये तक आती है, और 1 साल में किसानों को एक एकड़ से लगभग एक लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हो सकती है। वच के खेत में सजीव वच विदोहन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमे वच की जड़ को खेतों से हार्वेस्ट करने के लिए ट्रेक्टर के माध्यम से आडी-तिरछी जुताई की गई, जिससे समस्त वच की जडे मिटटी से बाहर आ गई, बाहर निकली हुई जड़ो से मिटटी को अच्छी तरह झाड़कर छायादार स्थान पर एकत्र किया गया।

स्काईवॉक निर्माण में भ्रष्टाचार की जांच स्वतंत्र एजेंसी से हो: कन्हैया

रायपुर, 4 जून। राजधानी रायपुर में निर्माणाधीन स्काईवॉक में बरती जा रही लगातार लापरवाही, तकनीकी खामियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल और असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक के नेतृत्व में आज कांग्रेसजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लालबहादुर शास्त्री की प्रतिमा के समीप जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने पुरजोर मांग की है कि आम जनता की सुरक्षा को ताक पर रखकर किए जा रहे इस घटिया निर्माण कार्य की जांच किसी निष्पक्ष व स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए।

कांग्रेस जनों में हाथों में तख्तियाँ लेकर प्रदर्शन किया इन तख्तियों में निर्माणाधीन स्काईवॉक के निर्माण में हो रही गड़बड़ी और जन सुरक्षा को लेकर नारे लिखे हुए थे, प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी भी की। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने शासन-प्रशासन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा जो स्काईवॉक पहले सिर्फ अनुपयोगी साबित हो रहा था, वह अब आम जनता के लिए जानलेवा बनता जा रहा है। अफसरों और निर्माणकर्ता ठेकेदार की साठगांठ के चलते बेहद निम्न स्तर की निर्माण सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। आलम यह है कि थोड़ी सी तेज हवा चलने पर भी पूरा स्ट्रक्चर हिलने लगता है। लंबे समय से खुले में पड़े रहने के कारण लोहे के ढांचों में जंग लग चुकी है। अब इसके भारी-भरकम नट-बोल्ट टूटकर नीचे सड़कों पर गिर रहे हैं, जिससे राहगीर और आम जनता चोटिल हो रहे हैं।

शुभारंभ | **5 राज्यों के 61 जिलों में 67 क्लबफुट क्लीनिक होंगे मजबूत**

टेढ़े पैर वाले बच्चों का इलाज करने अदाणी व अनुष्का फाउंडेशन ने मिलाया हाथ

रायपुर, 4 जून। अदाणी समूह की सामाजिक विकास शाखा अदाणी फाउंडेशन और क्लबफुट उन्मूलन के लिए कार्यरत विशेषज्ञ गैर-लाभकारी संस्था अनुष्का फाउंडेशन ने विश्व क्लबफुट दिवस पर तीन साल की साझेदारी की घोषणा की है। इस पहल के तहत मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश के 61 जिलों में क्लबफुट (टेढ़े पैर) से प्रभावित 10, 000 से अधिक बच्चों को इलाज और लंबे समय तक देखभाल का लाभ मिलेगा।

इस साझेदारी का औपचारिक शुभारंभ कानपुर स्थित कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय और ट्रॉमा सेंटर में किया गया, जो उत्तर प्रदेश के प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में से एक है। उत्तर प्रदेश देश में क्लबफुट के सबसे अधिक मामलों वाले राज्यों में शामिल है, जहां हर साल लगभग 6, 000 बच्चे इस स्थिति के साथ जन्म लेते हैं। राज्य के सबसे बड़े जिलों में से एक कानपुर इस चुनौती की गंभीरता और समय पर इलाज की आवश्यकता को दर्शाता है।

क्लबफुट एक जन्मजात स्थिति है, जिसमें बच्चे का एक या दोनों पैर जन्म के समय अंदर की ओर मुड़े हुए होते हैं। यह समस्या लगभग हर 800 नवजातों में से एक को प्रभावित करती है। हालांकि विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त पोंसेटी पद्धति के माध्यम से इसका प्रभावी इलाज संभव है, लेकिन आज भी वंचित समुदायों के अनेक बच्चों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता, जिससे उनकी गतिशीलता, आत्मविश्वास और जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

अनुष्का फाउंडेशन के मौजूदा क्लबफुट कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए यह पहल अगले तीन सालों में 10, 000 से अधिक बच्चों तक पहुंचेगी। इसमें सामुदायिक जागरूकता, मेडिकल केयर, क्षमता निर्माण और परिवारों को सहयोग जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल होंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से यह कार्यक्रम शुरुआती पहचान, रेफरल सिस्टम और सार्वजनिक हेल्थ नेटवर्क के माध्यम से इलाज की पहुंच को मजबूत करेगा।

कार्यक्रम के तहत पांच राज्यों के 61 जिलों में स्थित 67 क्लबफुट क्लीनिकों को सहयोग दिया जाएगा। साथ ही 51 स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता को मजबूत किया जाएगा और 30, 000 से अधिक फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर को प्रशिक्षित और संवेदनशील बनाया जाएगा ताकि बच्चों की समय पर पहचान और इलाज सुनिश्चित हो सके।

डॉ. प्रीति अदाणी, चेयरपर्सन, अदाणी फाउंडेशन ने कहा, क्लबफुट जैसी स्थिति, जिसका समय पर पहचान होने पर प्रभावी इलाज संभव है, किसी भी बच्चे की प्रगति में बाधा नहीं बननी चाहिए। हर बच्चे को चलने, सीखने, खेलने और जीवन में पूरी भागीदारी निभाने का अवसर मिलना चाहिए। विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए अवसरों का निर्माण करना हमेशा से अदाणी फाउंडेशन की सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। अनुष्का फाउंडेशन एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम कर रहा है, जहां क्लबफुट जैसी समस्या न रहे। हमें इस मिशन को आगे बढ़ाने में सहयोगी बनने पर गर्व है। हम अधिक से अधिक बच्चों को सम्मान, आत्मनिर्भरता और अपनी पूरी क्षमता को हासिल करने का अवसर देने का प्रयास करेंगे।

दीपक प्रेमनारायण, संस्थापक, अनुष्का फाउंडेशन ने कहा, क्लबफुट बचपन में होने वाली उन चुनिंदा शारीरिक चुनौतियों में से एक है, जिनका प्रभावी इलाज संभव है। इसके बावजूद हर साल हजारों बच्चे समय पर इलाज से वंचित रह जाते हैं।

यादों की बारात में जुटेंगे सैकड़ों भूतपूर्व विद्यार्थी

रायपुर, 4 जून। छत्रपति शिवाजी स्कूल की प्रथम शाखा की शुरूआत अब से ठीक 30 वर्ष पूर्व जून 1996 में बूढ़ापारा से की गई थी।वर्तमान में रायपुर में तीन स्थानों बूढ़ापारा, पुरानी बस्ती व प्रोफेसर कॉलोनी में शिवाजी स्कूल का संचालन किया जा रहा है। स्कूल की स्थापना के तीस वर्ष पूर्ण होने तथा इसकी स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम यादों की बारात (30 साल बेमिसाल) का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत प्रथम दिवस का आयोजन शुक्रवार पांच जून को शाम चार बजे से अग्रसेन सभा भवन, पुरानी बस्ती में किया जाएगा जिसमें तीनों स्कूल की टीचर्स द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें तीस वर्ष की स्कूल की यात्रा को भी नाटक आदि के द्वारा पेश किया जाएगा। साथ ही कविता, भाषण आदि की प्रस्तुति भी उनके द्वारा की जाएगी। स्थापना दिवस के कार्यक्रम की दुसरी कड़ी में स्कूल में शुरूआती 20 वर्ष में पढ़ चुके भूतपूर्व विद्यार्थियों का शानदार मिलन उत्सव रविवार सात जून को होटल अलोहा सिटी, रामसागर पारा में आयोजित किया जाएगा।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26